

सतना

26 मार्च 2026
गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

म.प्र. के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़

गाड़ियों की टिकियां फुल कराने पहुंचे लोग, धक्का-मुक्की; पुलिस तैनात करनी पड़ी



भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, नीमच, झाबुआ, आगर मालवा, शाजापुर और अन्य शहरों में मंगलवार शाम पेट्रोल पंपों पर अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ईजराइल-ईरान युद्ध के बीच पेट्रोल खत्म होने और कीमती बढ़ने की अफवाह फैलने पर लोग अपनी गाड़ियों की टिकियां फुल कराने पहुंचे।

लोगों की भीड़ इतनी बढ़ी कि कई पंपों पर धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। प्रशासन और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल अधिकृत स्रोतों से जानकारी लें।

वहीं पेट्रोलियम कंपनियों ने भी कहा कि देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य रूप से ही ईंधन लें।

गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू, विधानसभा से पास हुआ यूसीसी बिल 2026

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में एक बड़ा कानूनी और राजनीतिक फैसला सामने आया है, जहां विधानसभा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) बिल 2026 को पास कर दिया है। इस कदम के साथ ही गुजरात, उत्तराखंड के बाद देश का दूसरा राज्य बन गया है, जिसने समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। यह फैसला राज्य में कानून व्यवस्था और सामाजिक ढांचे को एक समान नियमों में बांधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

विधानसभा में यह बिल मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा पेश किया गया था, जिसे चर्चा के बाद पास कर दिया गया। इस कानून के तहत शादी, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों में सभी धर्मों के लिए एक समान नियम लागू होंगे। हालांकि अनुसूचित जनजातियों और कुछ विशेष समुदायों को इस कानून से बाहर रखा गया है। सरकार का कहना है कि इससे समाज में समानता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

वया हे यूसीसी बिल और इसमें वया बदलाव होंगे? यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल 2026 का उद्देश्य अलग-अलग धर्मों के निजी कानूनों को खत्म कर एक समान कानूनी ढांचा बनाना है। इस बिल में शादी और तलाक के नियमों को एक जैसा किया गया है। साथ ही लिव-इन रिलेशनशिप को भी कानूनी मान्यता देते हुए उसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है।

इसके अलावा लिव-इन संबंध खत्म करने के लिए भी औपचारिक प्रक्रिया तय की गई है। शादी और परिवार कानून में क्या नए नियम लागू होंगे? इस बिल के तहत बहुविवाह पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। अब कोई भी व्यक्ति तभी शादी कर सकता है जब उसका जीवनसाथी जीवित न हो। यानी एक समय में केवल एक ही शादी को मान्यता मिलेगी। इसके अलावा उत्तराधिकार और संपत्ति से जुड़े मामलों में भी समान नियम लागू होंगे, जिससे विवाद कम होंगे की उम्मीद है।

कितने लोगों पर लागू नहीं होगा यह कानून? सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कानून पूरे गुजरात में लागू होगा और राज्य के बाहर रहने वाले गुजरात के निवासियों पर भी लागू रहेगा। लेकिन अनुसूचित जनजातियों और कुछ पारंपरिक अधिकार वाले समुदायों को इससे बाहर रखा गया है। संविधान के तहत संरक्षित इन समूहों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए यह छूट दी गई है।

चुनाव आयोग बोला: बंगाल की वोटर लिस्ट में डिस्प्ले एर ठीक हुआ

एक दिन पहले सभी वोटर्स 'जांच' के दायरे में बताए गए; टीएमसी बोली थी- क्या सभी पर शक

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी। चुनाव आयोग ने बुधवार को माना कि पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में तकनीकी गड़बड़ी हो गई थी। डिस्प्ले एर की वजह से वोटर्स का नाम जांच के दायरे में दिखा रहा था। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी टीम ने करीब 2 घंटे में समस्या ठीक कर दी। आयोग इस गड़बड़ी की जांच कर रहा है।

दरअसल एक दिन पहले मंगलवार शाम को बंगाल में जब कई लोगों ने अपना वोटर स्टेटस (EPIC नंबर से) चेक किया, तो उनके नाम के आगे (जांच के दायरे में) दिखा रहा था। यह उन लोगों के साथ भी हुआ जिनका नाम पहले से ही फाइनल वोटर लिस्ट में शामिल था। सत्ताधारी पार्टी TMC ने इस पर सवाल



उठाए और कहा कि इससे ऐसा लग रहा था जैसे सभी वोटर्स पर शक किया जा रहा हो। हालांकि चुनाव आयोग ने सिर्फ इसे टेक्निकल एर बताया। कांग्रेस नेता बोले- बीजेपी केरल में खाता नहीं खोल पाएगी कांग्रेस नेता केंसी वेणुगोपाल ने बुधवार को दावा किया कि बीजेपी केरल में खाता नहीं खोल पाएगी।



नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका कर दी। कोर्ट ने कहा कि

पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है।

भाजपा बोली- ओवैसी बंगाल में घुसने की कोशिश कर रहे यहां लोग किसी को जल्दी नहीं अपनाते

तमिलनाडु- AIADMK की 23 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी। पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के लिए AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी के कोलकाता पहुंचने पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, ओवैसी लंबे समय से बंगाल में घुसने की कोशिश कर रहे हैं।

कई पार्टियां दूसरी जगहों पर सफल हुई हैं, लेकिन बंगाल में लोग किसी को जल्दी स्वीकार नहीं करते। उन्हें काम करना होगा, लड़ना होगा, फिर बंगाल उन्हें स्वीकार करेगा।

दरअसल, ओवैसी की पार्टी ने बंगाल में पूर्व टीएमसी नेता हुमायूँ कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी से गठबंधन किया है।

उधर तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली के थिरुप्परईथुराई में 50 से ज्यादा परिवारों ने इस बार विधानसभा चुनावों के बॉयकोट का ऐलान किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 16 साल से वे बिना बिजली, पानी और टॉयलेट के रह रहे हैं।

असम चुनाव- 815 उम्मीदवारों का नामांकन, 776 कैडेट का पर्चा सही : असम की 124 विधानसभा सीटों के लिए 776 उम्मीदवारों के नामांकन पेपर वैलिड पाए गए। असम के जॉइंट चीफ इलेक्शन ऑफिसर के मुताबिक, बची हुई दो सीटों, बारपेटा (SC) और बैकियाजूल के लिए पेपर्स की जांच बुधवार को पूरी हो जाएगी।

असम के जॉइंट चीफ इलेक्शन ऑफिसर के मुताबिक, असम विधानसभा के आम चुनाव, 2026 के लिए नामांकन पेपर्स की स्कूटी की गई। हालांकि, 126 सीटों में से 124 सीटों पर स्कूटी पूरी हो चुकी है। 24 बारपेटा SC और 65 बैकियाजूल के लिए स्कूटी 25 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे तक टाल दी गई है। 124 सीटों के 776 उम्मीदवारों के नामांकन वैलिड पाए गए हैं। असम विधानसभा 2026 के आम चुनाव के लिए कुल 815 उम्मीदवारों ने 1389 नामांकन फाइल किए थे।

वित्त मंत्री निर्मला बोलीं- राष्ट्र निर्माण लगातार होने वाली प्रक्रिया: ये रातोंरात नहीं होता

विपक्ष बैकों को गंभीर हालत में छोड़कर गया था

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में आज वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक पेश किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण लगातार होने वाली प्रक्रिया है, यह रातोंरात नहीं होता है।

उन्होंने विपक्ष पर टिप्पणी में कहा- कोविड संकट का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीमित असर पड़ा था। विपक्ष आज बातें कर रहा है, लेकिन ये डबल बैलेंस शीट छोड़कर गए थे। बैंकों को गंभीर हालत में छोड़ा था। आज जब हमारे बैंकों के हालात ठीक हैं, तो ये आलोचना कर रहे



हैं। सीतारमण ने कहा कि इनके दौर में लगातार 22 महीने महंगाई डबल डिजिट में रही, जो कि एक रिकॉर्ड है। इनके लिए गए कर्ज का ब्याज आज हम चुका रहे हैं। सुधार किसी मजबूरी के कारण नहीं, बल्कि स्पष्टता, प्रतिबद्धता

मंत्री ने विधेयक के पेश किए जाने के दौरान विपक्ष को सदन में नहीं मौजूद रहने पर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष सवाल करता है तो उसे जवाब सुनने के लिए सदन में मौजूद रहना चाहिए।

दरअसल, सदन में इस विधेयक का उद्देश्य आने वाले वित्त वर्ष के लिए सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को लागू करना है। चर्चा के बाद इसे पारित करने के लिए पेश किए जाने की उम्मीद है। वित्त मंत्री के दिवाला और विधेयक 2025 पेश किए जाने की उम्मीद है। इस विधेयक का उद्देश्य दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 में और संशोधन करना है।

सीतारमण बोलीं- विपक्ष केवल सवाल करता है, जवाब सुनने मौजूद नहीं रहता : वित्त

सुप्रीम कोर्ट बोला: पब्लिक इवेंट्स में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं

कहा- जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे; याचिका खारिज

मामला CJI जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जायमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में था। बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है।

बेंच ने कहा- ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए



गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे।

याचिकाकर्ता का दावा- सलाह देने के बहाने साथ गाने मजबूर किया जाएगा अदालत मुहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। CJI ने कहा- 'हमें वह नोटिस दिखाएँ जिसमें आपको राष्ट्रपता बजाने के लिए मजबूर किया गया है। आप एक स्कूल चलाते हैं, हमें यह भी नहीं पता कि वह मान्यता प्राप्त है या नहीं।'

कांग्रेस को नोटिस: अकबर रोड-रायसीना हिल्स का दफ्तर खाली करें

28 मार्च तक का वक्त; दावा- एस्टेट डिपार्टमेंट के खिलाफ कोर्ट जाएगी पार्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी को 24 अकबर रोड वाला दफ्तर 28 मार्च तक खाली करना होगा। एस्टेट डिपार्टमेंट ने पार्टी को नोटिस दिया है। न्यूज एजेंसी ANI ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से कहा है कि दफ्तर खाली करने के लिए 3 दिन का समय दिया गया है।

हालांकि, कांग्रेस का हेडक्वार्टर पहले ही यहां से इंदिरा भवन शिफ्ट हो चुका है। पार्टी इस बंगले को खाली नहीं करना चाहती है। उधर, एस्टेट डिपार्टमेंट ने कांग्रेस के 5 रायसीना हिल्स रोड स्थित इंडियन यूथ कांग्रेस (आईयूसीसी) के कार्यालय के लिए भी एक नोटिस जारी किया है।

कुछ रिपोर्ट्स का कहना है कि कांग्रेस,



कांग्रेस का दफ्तर 2025 में 24

अकबर रोड से इंदिरा भवन में शिफ्ट कांग्रेस ने 14 जनवरी 2025 को ही अकबर रोड वाले ऑफिस से अपना दफ्तर इंदिरा भवन में शिफ्ट किया है। 146 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला था। इंदिरा भवन की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे।

सरकार के इस खर्च के खिलाफ कोर्ट में अपील करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि 1 अशोक रोड या पंत मार्ग वाले BJP के दफ्तर भी खाली नहीं करवाए गए हैं।

अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में बेंगलुरु में एफआईआर

● भतीजे रोहित ने 5 आरोप लगाए, कहा- महाराष्ट्र में शिकायत दर्ज नहीं की गई

बेंगलुरु, एजेंसी। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिटी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो FIR दर्ज की गई है। FIR उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश



बताया है। उन्होंने FIR में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं।

रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र CID से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी FIR दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च

को बेंगलुरु में जीरो पर FIR दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की FIR दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो FIR कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

कर्नाटक में पॉलिसी- बच्चों का स्क्रीन टाइम 1 घंटा रहे: शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद

9-12वीं के छात्रों के लिए ड्राफ्ट जारी



बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने 9वीं से 12वीं के छात्रों के डिजिटल इस्तेमाल को लेकर मंगलवार को ड्राफ्ट पॉलिसी जारी की है। इसमें सिफारिश की गई है कि पढ़ाई के अलावा मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम रोजाना 1 घंटे तय किया जाए। शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद करने की भी सिफारिश की गई है। ड्राफ्ट में कहा गया है कि छात्रों को सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन से दूर रखा जाए। मोबाइल के लिए 'चालू प्लान' का सुझाव दिया गया है, जिसमें ऑडियो-ऑनली विकल्प और तय समय के बाद इंटरनेट बंद करने की व्यवस्था होगी। उम्र के हिसाब से डिवाइस और ऑपरेटिंग सिस्टम डेवलप करने की भी बात कही गई है। सरकार के मुताबिक, करीब 25% किशोरों में इंटरनेट की लत है, जिससे नौटंकी, चिंता और ध्यान भटकने जैसी समस्याएं हो रही हैं। इसी को देखते हुए यह पॉलिसी लाई गई है।

कई संस्थानों के साथ मिलकर तैयार ड्राफ्ट : यह पॉलिसी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कर्नाटक स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी, निमहास और शिक्षा विभाग ने मिलकर तैयार किया है। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धार्थमैया के 6 मार्च को जारी बजट में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्ती के ऐलान से अलग है। 6 मार्च को कर्नाटक सरकार ने बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर बैन लगाया था : कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का ऐलान किया था। कर्नाटक ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। सीएम सिद्धार्थमैया ने बजट भाषण के दौरान कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर गलत असर पड़ रहा है।

कुवैत के एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक, फ्यूल टैंक में आग लगी

इराकी लड़ाकों का अमेरिका के 23 ठिकानों पर हमला

तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई।

कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमका की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है।

सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुझाव निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेवल गार्ड ने



दक्षिणी लेबनान में इजराइल की एयरस्ट्राइक, 9 लोगों की मौत

लेबनान के दक्षिणी हिस्से में इजराइल के हमलों में 9 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सिदोन इलाके के पास कई जगहों पर हमले हुए। अदलीन इलाके में एक हमले में 4 लोगों की जान चली गई। वहीं, मियेह मियेह शरणार्थी कैंप में एक इमारत पर हमला हुआ, जिसमें 2 लोगों की मौत हुई और 4 लोग घायल हो गए। इसके अलावा, हब्बूस इलाके में हुए एक और हमले में 3 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हुए।

बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं। युप के मुताबिक, इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इन हमलों से कितना नुकसान हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

दिल्ली वालों को जलभराव से मिलेगी मुक्ति, सरकार ने 610 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जलभराव की समस्या दशकों पुरानी है। 50 वर्ष से अधिक पुराने ड्रेनेज सिस्टम और अपर्याप्त नालों के कारण हर बरसात में शहर की सड़कें तालाब बन जाती हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 2026-27 के बजट में इस समस्या को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेते हुए कहा कि अब दिल्ली डूबेगी नहीं, उबरेगी। इसी योजना के तहत पांच विधानसभा क्षेत्रों में जलभराव से राहत दिलाने के लिए एमबी रोड पर 387 करोड़ की लागत से ड्रेन निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई है। 2026-27 में इस कार्य के लिए 50 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही लोके निर्माण विभाग विभाग द्वारा 200 करोड़ के अतिरिक्त राशि खर्च कर जलभराव समाप्त करने के लिए अन्य परियोजनाएं शुरू की जाएगी। पश्चिमी दिल्ली के किराड़ी, मुंडका, बवाना और नागलाई विधानसभा क्षेत्रों की जल-निकासी समस्या के समाधान के लिए रेलवे लाइन के समानांतर 221 करोड़ की लागत से 4.50 किलोमीटर लंबे टंक ड्रेन के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना उन इलाकों के लिए राहत की सांस लेकर आगी जो वर्षों से बरसात में परेशान होते आए हैं। इस वर्ष तैमूर नगर, कैलाश नगर, किराड़ी और बवाना जैसे क्षेत्रों में नालों का पुनर्विकास किया जाएगा।

बाद रोकने के लिए दीवार का भी प्रस्ताव : सरकार ने इस साल 22 लाख मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाकर यमुना के ऐतिहासिक जलस्तर पर भी सुरक्षित प्रवाह सुनिश्चित किया है। पुराने रेलवे पुल से मजनु का टीला तक यमुना किनारे बाढ़ रोकने के लिए दीवार का भी प्रस्ताव इस बजट में है, जो एक महत्वपूर्ण योजना साबित होगी। इसी तरह लोहे के पुल से सराय काले खां तक यमुना पुरता को मजबूत किया जाएगा। इस तरह के कार्यों के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के लिए 610 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है।

दिल्ली में तार होंगे भूमिगत, घटेंगी दुर्घटनाएं, बढ़ेंगी सुरक्षा; बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान



नई दिल्ली, एजेंसी। दशकों से अटक, लटक और शासन की नजरों का इंतजार करती तारों की जालें अब भूमिगत होंगी। तारों से मुक्ति मिलने ही दिल्ली और सुंदर, हादसा मुक्त और बेहतर हो सकेगी। इसके लिए सरकार ने शालीमार बाग और चांदनी चौक में शुरू हुई तारों को भूमिगत करने की योजना को पूरी दिल्ली में ले जाने का निर्णय किया है। बजट में इसके लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान करते हुए जब मुख्यमंत्री ने 'दिल्ली कहाँ गई तारे कूचों की रौनकें, गलियों से सर झुका कर गुजरने लगा है', शेर पढ़ा तो सभी विधायक मेज थथथपाने लगे। क्योंकि, यह समस्या गंभीर है और हर दिल्लीवाला उससे परेशान और खौफ के साए में है। पुरानी दिल्ली की कई गलियों, कूचों में तो तारों के मकड़जाल से आसमान नहीं दिखता। गत दिनों पूर्व मुख्यमंत्री ने चांदनी चौक की ऐतिहासिक 28 सड़कों और गलियों में लटकते बिजली के तारों को टाने के लिए लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत से 52.5 किमी लंबी ओवरहेड तारों को भूमिगत करने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। इस तरह की योजना शालीमार बाग में भी लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में हाई और लोवर टेंशन लाइन को भूमिगत किया जाएगा। यह दिल्ली की सुंदरता को भी बढ़ाएगा और दुर्घटनाओं से सुरक्षा भी देगा।

पंजाबी बाग में दिल्ली पुलिस के SI ने सड़क पर काम रही महिला को कार से मारी टक्कर



नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाबी बाग थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें एक मराठी ब्रेजा कार ने सड़क पर सफाई कर रही एक महिला मजदूर को टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। आरोपित कार चालक दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हादसा सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे वशिष्ठ कुमार गुल्ला मार्ग और नाथ एवेन्यू रोड के पास हुआ। यहां सड़क निर्माण और सफाई का कार्य चल रहा था। 45 वर्षीय महिला कामगार धर्मवती जब सेंट्रल वर्ज के पास सफाई कर रही थीं, तभी एक बेकाबू ब्रेजा कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि धर्मवती गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तुरंत पास के आचार्य भिक्षु अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। आरोपित कार चालक का नाम लकी है, जो दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर है और रजिंत नगर थाने में तैनात है। हादसे के वक्त वह ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त जीएस भास्कर ने बताया कि घटना के तुरंत बाद आरोपित सब-इंस्पेक्टर खुद घायल महिला को अपनी कार में लेकर आचार्य भिक्षु अस्पताल पहुंचा, लेकिन इलाज के दौरान धर्मवती ने दम तोड़ दिया। पूछताछ में आरोपित एसआई ने पुलिस को बताया कि घटनास्थल पर मशीन से सड़क की खोदाई की गई थी, जिसके कारण वहां काफी धूल उड़ रही थी। उसने खड़े होकर झाड़ू लगाने वाले कामगारों को देखने के बाद कार को किनारे से निकालने की कोशिश की, लेकिन धूल की वजह से वह नीचे बैठकर झाड़ू लगा रही धर्मवती को नहीं देख पाया।

सोनिया गांधी सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती, एक्सपर्ट डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को सोने में इंफेक्शन की शिकायत के बाद मंगलवार देर रात करीब 11:15 बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल पहुंचने पर शुरुआती जांच के बाद उन्हें तुरंत इंटींसिव केयर पर भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक सोनिया गांधी अस्पताल के स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की टीम की निगरानी में हैं और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। उन्हें आन्वेषण में रखा गया है। अस्पताल प्रशासन ने संकेत दिया है कि उनकी स्थिति को लेकर बुधवार सुबह विस्तृत मेडिकल बुलेटिन जारी किया जा सकता है।

बजट में हरित दिल्ली पर जोर, पर्यावरण पर 21% होगा खर्च

सीएम रेखा गुप्ता की बड़ी घोषणाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रिपल इंजन सरकार के रथ पर सवार रेखा गुप्ता सरकार ने अपने कार्यकाल के दूसरे बजट में एक लाख करोड़ से अधिक के बजटीय प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए दिल्ली के विकास को विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की है। साथ ही इसे ग्रीन बजट बताते हुए इसका 21 प्रतिशत से अधिक पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी योजनाओं के लिए आवंटित किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तुत एक लाख, तीन हजार 700 करोड़ के ग्रीन बजट में से 22,236 करोड़ रुपये राजधानी को हरित दिल्ली के रूप में विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे। हरित विकास के साथ ही बजट में आधारभूत ढांचा मजबूत करने पर ध्यान देते हुए तेज विकास करने को प्रमुखता दी गई है। वहीं, सभी को स्वच्छ पेयजल, लोगों को आसानी से उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास से भविष्य निर्माण, महिलाओं समेत समाज के हर वर्ग को सशक्तीकरण, जाममुक्त दिल्ली, बेहतर परिवहन सेवा, भ्रष्टाचार रहित जवाबदेह प्रशासन, नवाचार से रोजगार सृजन व आधुनिकता के साथ विरासत को संजोने के प्रयासों पर भी जोर दिया गया है। आप के चार विधायकों का निलंबन वापस न लेने के विरोध में

शहर बनाने पर काम हो रहा है। शीत समय में भ्रष्टाचार, अदृशिता और मुफ्त सुविधाओं की संस्कृति से वृद्धि दर प्रभावित हुई है। यही कारण है कि वर्ष 2018 से 2020 के बीच विकास की गति रुकी हुई थी, लेकिन आज दिल्ली एक निर्णायक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। अब नीतियां केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि धरातल पर परिणाम देती हैं। आज दिल्ली ट्रिपल इंजन की शक्ति से तेज गति से दौड़ रही है। प्रकृति के साथ ही प्रगति है, इसे सरकार भलोभाति समझती है और बजट में भी इसका ध्यान रखा गया है। विषय के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में दिल्ली की गिनती होती है। इस कलंक को दूर करने के लिए बजट में कदम उठाए गए हैं।

ड्रेन नीति बनाकर ग्रीन रोजगार को बढ़ावा देने की घोषणा : बजट प्रस्तावों में



वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के उद्देश्य से नई सड़कें और फ्लाईओवर के निर्माण से लेकर, पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था, स्वच्छता, धूल नियंत्रण, टोस व ई कचरा निस्कारण और स्वच्छ ऊर्जा के लिए बजट में धनराशि आवंटित की गई है। साथ ही सेमी कंडक्टर और ड्रेन नीति बनाकर ग्रीन रोजगार को बढ़ावा देने की घोषणा की गई है। बजट में सरकार ने सभी वर्गों को साधने का प्रयास किया है। साथ ही राजधानी की महिलाओं को भी यह दिखाने का प्रयास किया है कि दिल्ली की महिला मुख्यमंत्री महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रयासरत हैं और उनकी सुरक्षा के लिए चिंतित हैं। चुनावी घोषणा

130 करोड़ रुपये खर्च कर वन क्षेत्र का विकास : केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली में विकास की गति को तेज करने के लिए इस बजट में आधारभूत ढांचे के विकास, महिला सशक्तीकरण, पेयजल आपूर्ति, यमुना की सफाई, समावेशी विकास सहित 10 क्षेत्रों पर जोर दिया गया है। प्रदूषण नियंत्रण और आपातकालीन उपाय योजना की घोषणा की गई है। पर्यावरण और वन क्षेत्रों के लिए पिछले वर्ष के 505 करोड़ की तुलना में इस बार 822 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 130 करोड़ रुपये खर्च कर वन क्षेत्र का विकास होगा।

मेट्रो के लिए बजट में 2885 करोड़ रुपये का प्रावधान : मेट्रो के चरण चार व पांच के लिए बजट में 2885 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली-एसएनबी शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़ और दिल्ली-सोनीपत-पानीपत नमो ट्रेन को मंजूरी दे दी है। बजट में रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के लिए 568 करोड़ का प्रावधान किया गया है। पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा। दिल्ली के बड़े नालों सोलर पैनल लगाने की भी घोषणा की गई है।

दिल्ली को मिलेगा अपना सदन, 'ट्वीन टावर' नाम से बनेगा नया सचिवालय

बजट में सरकार का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में जहां देश के विभिन्न राज्यों के सदन हैं पर अपना कोई नहीं है। लेकिन अब दिल्ली को भी अपना सदन मिलेगा। सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार के बजट में इसकी घोषणा की है। दिल्ली सदन के लिए 10 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है। इससे दिल्ली आने वाले पर्यटकों और आंगतुकों के रहने की व्यवस्था होगी। साथ ही यहां पर कैंटीन भी होगी। सरकार दिल्ली सदन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा बने आवास को भी दिल्ली सदन के तौर पर विकसित कर सकती है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार का आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक नया सचिवालय भी बनेगा। जिलों की संख्या बढ़ने और जिलों में नागरिकों को एक ही छत

के नीचे सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए मिनी सचिवालय तैयार किए जाएंगे। इसके लिए सरकार ने दक्षिण-पश्चिम जिले के लिए द्वारका में पहले मिनी सचिवालय की 213 करोड़ की परियोजना पूर्व में मंजूर कर दी थी। जबकि शेष सचिवालयों के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। मिनी सचिवालयों में जिला प्रशासन का आधुनिक दफ्तर होगा। वहीं, यहां पर संपत्ति पंजीकरण, जाति प्रमाण पत्र समेत अन्य कार्यों के लिए आने वाले लोगों को एक ही छत के नीचे सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालय होने से होने वाली परेशानी को देखते हुए सचिवालय बनाया जाएगा।



फिलहाल इसके लिए दिल्ली सरकार जगह की तलाश कर रही है और केंद्र सरकार से भी जमीन मांग रही है। वहीं, इसके समारंभ आइटीओ स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मुख्यालय को तोड़कर ट्वीन टावर के तौर पर सचिवालय विकसित करने पर काम कर रही है। यह बहुमंजिला होगा। जहां पर दिल्ली सरकार के सभी विभाग होंगे। फिलहाल दिल्ली सचिवालय आइटीओ के पास ही आईजीआई स्टैडियम के पास

प्लेयर्स बिल्डिंग में संचालित होता है। लेकिन इसमें सभी विभागों के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। इसकी वजह से सिविल लाईंस और आइटीओ पर कई विभागों के दफ्तर संचालित होते हैं। दिल्ली में संपत्ति पंजीकरण के लिए लोगों को दलालों के चक्कर नहीं काटने होंगे। बल्कि इसकी व्यवस्था पारदर्शी होगी। इसके लिए दिल्ली में संपत्ति पंजीकरण के लिए सब रजिस्ट्रार ऑफिस को पासपोर्ट ऑफिस की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रही थी बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की विदेशी सेल ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शालीमार बाग क्षेत्र से एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए देश से निष्कासन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने महिला के कब्जे से एक स्मार्ट फोन बरामद किया है, जिसमें प्रतिबंधित आइएमओ ऐप इंस्टॉल मिला। इसके अलावा मोबाइल गैलरी में बांग्लादेशी पहचान से जुड़े दस्तावेज भी पाए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। पकड़ी गई महिला को पहचान मीतू अख्तर (28) के रूप में हुई है, जो ढाका (बांग्लादेश) की रहने वाली है। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि विदेशी सेल की टीम ने इंस्पेक्टर विपिन कुमार और एसपी राजीव कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। 23 मार्च की सुबह विशेष अभियान के तहत गठित टीम ने जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन और आजगढ़पुर मंडी क्षेत्र में छापेमारी की। लंबे समय तक तलाश के बाद मेक्स अस्पताल के पास एक सदिग्ध महिला को पकड़ा गया।



अमेरिका को होमर्जुज की नाकाबंदी करनी चाहिए', पूर्व एनएसए बोल्टन का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने एक बड़ा

इससे इरान को राजस्व मिलता है और उसकी युद्ध मशीन चलती रहती है। 'अमेरिका को होमर्जुज की नाकाबंदी करनी चाहिए': जॉन बोल्टन ने कहा, 'पीएम मोदी और अमेरिकी



ऊर्जा पर भारत की निर्भरता पर बात हुई। जॉन बोल्टन ने कहा, 'मुझे लगता है कि पीएम मोदी की सोच साफ है कि वे इरान से तेल खरीदने के इच्छुक हैं। आज सुबह दो भारतीय जहाज होमर्जुज जलडमरूमध्य से निकले भी हैं। हालांकि इस लेन-देन का अन्तर भू-राजनीति पर पड़ता है।' बोल्टन ने कहा कि 'इस तरह राजस्व का प्रवाह क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत में भारत की ऊर्जा जरूरतों को इरान की लगता है कि पीएम मोदी की सोच साफ है कि वे इरान से तेल खरीदने के इच्छुक हैं। आज सुबह दो भारतीय जहाज होमर्जुज जलडमरूमध्य से निकले भी हैं। हालांकि इस लेन-देन का अन्तर भू-राजनीति पर पड़ता है।' बोल्टन ने कहा कि 'इस तरह राजस्व का प्रवाह क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और

ईरान युद्ध का झटका: नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य, ब्रिटेन का फैसला

लंदन, एजेंसी। ईरान युद्ध से पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इंग्लैंड में बनने वाले सभी नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य करने का एलान किया है, ताकि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाई जा सके। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को नए नियम पेश करते हुए स्पष्ट किया कि यह कदम नीति-निर्माताओं की ओर से ईरान युद्ध के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह पहल प्यूवर होम्स स्टैंडर्ड का हिस्सा है, जो 2028 से लागू होगा। इस मानक के तहत सभी नए घरों में ऑन-साइट रिन्यूएबल बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख भूमिका सौर ऊर्जा की होगी। साथ ही, घरों में लो-कार्बन हीटिंग सिस्टम जैसे हीट पंप और हीट नेटवर्क को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। ब्रिटेन के ऊर्जा मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा, ईरान युद्ध ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। उन्होंने कहा सरकार को लक्ष्य जीवाश्म ईंधन बाजारों की पकड़ से बाहर निकलना है, जिन पर देश का निर्भरता नहीं है। मिलिबैंड ने यह भी बताया कि सरकार न केवल नए घरों में सोलर पैनल को मानक बना रही है, बल्कि आने वाले महीनों में दुकानों पर प्लग-इन सोलर पैनल भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें लोग अपने घरों की बालकनी में आसानी से स्थापित कर सकें।

ऊर्जा सुरक्षा बनाम घरेलू उत्पादन इस फैसले को लेकर ब्रिटेन की घरेलू राजनीति में भी बहस तेज हो गई है। विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी की शेडो एनर्जी सिक्रेटरी वलेयर कुट्टिनी ने सरकार से नॉर्थ सी में नए तेल और गैस क्षेत्रों के लाइसेंस जारी करने की मांग की है, ताकि घरेलू ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाकर उपभोक्ताओं के बिल कम किए जा सकें। यह बहस इस बात को रेखांकित करती है कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए देशों के सामने दो विकल्प हैं, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज बदलाव या पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार

टोक्यो, एजेंसी। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत (अवैध रूप) से घुसने का आरोप है। चीन ने इस घटना पर विरोध जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म-रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति को उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना



(जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने पुष्टि की है कि सदिग्ध सैनिक मियाजकी प्रांत के कैप्ट एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस से पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि कथित तौर पर दूतावास की दीवार रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी

था। उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग नहीं मानी गई, तो वह खुद को मार लेगा। जापान के सरकारी चैनल एनएचके के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया और आगे की जांच के लिए टोक्यो पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दूतावास की दीवार फांदी थी और वहां एक चाकू भी मिला है।

ट्रंप की लोकप्रियता घटी: ईरान जंग और महंगाई के बीच गिरकर 36 प्रतिशत पहुंची

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। यह उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद का सबसे कम स्तर है। यह जानकारी रॉयटर्स/इप्सोस के एक सर्वे में सामने आई है। चार दिन तक चले इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट लोगों की संख्या 40 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। ईरान की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी और ईरान के साथ युद्ध को लेकर लोगों की नाराजगी का असर ट्रंप की

लोकप्रियता पर पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल के 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे लोगों का खर्च बढ़ा है। महंगाई और रोजगार के खर्च को लेकर भी लोगों की नाराजगी सामने आई है। केवल 25 प्रतिशत लोगों ने माना कि ट्रंप महंगाई को संभालने में ठीक काम कर रहे हैं। ईरान पर हमलों को लेकर भी लोगों की राय बंटी हुई है। 35 प्रतिशत लोगों ने इन हमलों का समर्थन किया, जो पिछले सर्वे के 37 प्रतिशत से कम है। वहीं 61

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सितों के लिए एच विशेष चुनाव में मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए हैं। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप



'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग' के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विचलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग की

अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल-इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से 'सेव एक्ट' पास करने

का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, बुकिंस इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले ने कि बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट देते तो वह 'धोखाधड़ी' हैं, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अर्टॉनी जन्नरल को मेल-इन वोटों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 'मार्केट रिसर्च टूल्स एंड मार्केट प्रोडक्ट फिट' पर प्रशिक्षण संपन्न

छात्रों और युवा उद्यमियों को बाजार की समझ व स्टार्टअप विकास के गुर सिखाए गए

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इन्व्यूबेशन सेंटर में 'ट्रेनिंग ऑन मार्केट रिसर्च टूल्स एंड मार्केट प्रोडक्ट फिट' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों युवा उद्यमियों और स्टार्टअप की दिशा में कार्य करने के इच्छुक युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था ताकि वे अपने नवाचारों को बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित कर सकें और उन्हें



सफल उद्यम में परिवर्तित कर सकें। अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि इन्व्यूबेशन सेंटर छात्रों में उद्यमिता की भावना विकसित

करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में सफल उद्यमिता के लिए बाजार अनुसंधान और उत्पाद-बाजार अनुकूलता (मार्केट



प्रोडक्ट फिट) की गहरी समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मुख्य वक्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्रों से अपील की कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का

उपयोग अपने भविष्य के स्टार्टअप में करें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अजिंथा मेराबी, महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र ने अपने उद्घोषण में

बाजार अनुसंधान के आधुनिक टूल्स, डेटा संग्रहण एवं विश्लेषण की तकनीकों, उपभोक्ता व्यवहार की समझ तथा उत्पाद को बाजार की मांग के अनुरूप विकसित करने की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने साथ ही जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सरकारी सहायता और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक गण डॉ. के. एस. नेताम (विभागाध्यक्ष, भूगोल), डॉ. राकेश कुमार प्रजापति (नोडल अधिकारी, इन्व्यूबेशन सेंटर), और अरविंद सोनी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अफवाहों से रहें सतर्क पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता प्रशासन ने किया आश्वस्त



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए आमजन को आश्वस्त किया है कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर सभागार सीधी में अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय की अध्यक्षता में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति, उपलब्धता और खपत की विस्तृत समीक्षा की गई

बैठक में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी प्रियल यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है और सभी पेट्रोल पंपों पर नियमित रूप से ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। अपर कलेक्टर पाण्डेय ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए कि वे ईंधन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखें और आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अनावश्यक भंडारण या कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए।

तीन जंगली हाथी घुसे, 10 किमी चलकर पश्चिमी कटौतिया पहुंचे, फसल-मकान को नुकसान

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। अनूपपुर जिले से भटककर आए तीन जंगली हाथी अब जिले के बुढार वन परिक्षेत्र में प्रवेश कर गए हैं। हाथियों की मौजूदगी के कारण वन विभाग अलर्ट पर है और उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वन विभाग ने हाथियों की निगरानी के लिए दो विशेष टीमें गठित की हैं जिनमें कुल 15 कर्मचारी तैनात हैं। इन टीमों की जिम्मेदारी बुढार रेंजर सलीम खान और केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी को सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार ये तीनों हाथी पिछले कुछ महीनों से अनूपपुर के जंगलों में विचरण कर रहे थे। शहडोल की सीमा में प्रवेश करने के बाद इन्हें सबसे पहले बुढार वन परिक्षेत्र के अरझुली इलाके में देखा गया था। बीती रात हाथियों ने लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय कर पश्चिमी कटौतिया के

आरएफ 87 और 88 के जंगल क्षेत्र में डेरा डाल लिया। रात के दौरान हाथियों ने खेतों में घुसकर करीब एकड़ फसल को नुकसान पहुंचाया। इसके अतिरिक्त बुढार क्षेत्र के कटई गांव के जमुनिया टोला में पंकू सिंह के घर में भी तोड़फोड़ की गई। हाथियों ने घर में रखा महुआ और धान खा लिया जिससे ग्रामीणों को आर्थिक क्षति हुई है। हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग आसपास के गांवों में मुनादी कराया रहा है। ग्रामीणों को सतर्क रहने रात में खेत या जंगल की ओर न जाने और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाथी अपने पुराने कॉरिडोर के रास्ते आगे बढ़ रहे हैं और संभावना है कि वे छत्तीसगढ़ की ओर लौट सकते हैं। वन अमला उनकी निरंतर निगरानी में जुटा हुआ है।

400 ग्राम पंचायतों में गूजा नशा मुक्ति का संकल्प, 50 हजार से अधिक लोगों ने ली शपथ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में जिले में व्यापक स्तर पर नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत जिले की 400 ग्राम पंचायतों, 5 नगरीय निकायों, विभिन्न जनपद पंचायतों, शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। अभियान के दौरान लगभग 50,000 से अधिक नागरिकों ने ऑफलाइन नशा मुक्ति की शपथ लेकर समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।



कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस क्रम में पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पनवार में भी नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा, संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. दिलीप सोनी और

बीआरसी राजेश पांडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य, शिक्षकाएं एवं सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी जैसे चंद्र प्रताप तिवारी, दीपक कोल, रामनिहोर केवट, बाल सुधा मिश्रा तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के शिवांगु शुक्ला ने सक्रिय सहभागिता दिखाई। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं रजनीश कुशवाहा,



श्रुति गुप्ता और कंचन जायसवाल ने नशा मुक्ति पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। वहीं, बाल सुधा मिश्रा द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक गीत ने कार्यक्रम को भावनात्मक एवं प्रेरक बना दिया। अंत में सभी उपस्थित नागरिकों ने सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ ली। अभियान ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ विशेष रूप से युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता साबित की है।

10 गावों की भूख-प्यास से मौत 40 गौवंश बचाए गए; हंगामे के बाद जांच के आदेश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। पनवार सेंगरान ग्राम पंचायत में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहाँ एक अस्थायी बाड़े में बंद 10 गावों की भूख और प्यास से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में नाराजगी का माहौल है और प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। सूचना मिलने पर शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे और गौराक्ष दल के केशव मिश्रा अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बाड़े में बंद करीब 40 अन्य गावों को बाहर निकाला। मृत गावों को बाद में दफनाया गया।



व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीण राधेश्याम कोल ने बताया कि मवेशी करीब 15 दिनों से बाड़े में बंद थे और तेज धूप में जरेमान हो रहे थे। शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई: ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सचिव और जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार सूचना दी गई लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसी वजह से यह स्थिति बनी और 10 गावों की जान चली गई।

वहीं ग्राम पंचायत सचिव इंदु सिंह ने इस मामले से अनजान होने की बात कही है। उन्होंने आरोपों को गलत बताया और कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि उन्हें पहले इस घटना की जानकारी नहीं थी। अब मामले में सचिव को नोटिस जारी किया जाएगा और अधिकारियों को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी।

एलपीजी के लिए लाइन में लगे लोग; बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहे घरेलू सिलेंडर

मीडिया ऑडिटर, सिंगरेली (निप्र)। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के लिए गैस रिफिल सेंटर पर लोगों की लंबी कतार लग रही है। लोगों का कहना है कि इसके बावजूद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। जबकि एजेंसी संचालकों ने बताया कि जिले में घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। लोग घबराहट में एक साथ एजेंसी पहुंच रहे हैं जिससे कतारें लंबी हो रही हैं। गैस एजेंसियों की डिलीवरी व्यवस्था चरमराने से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि समय पर बुकिंग करने और मोबाइल पर 'सफलतापूर्वक डिलीवरी' का मैसेज आने के बाद भी सिलेंडर घर तक नहीं पहुंचा है। स्थानीय निवासी राजेंद्र कुमार ने बताया कि मैसेज मिलने के हफ्तों बाद भी उन्हें गैस नहीं मिली है। बैटन स्थित गैस एजेंसियों और गोदामों पर सुबह से ही

उपभोक्ताओं की भीड़ जमा हो रही है। उपभोक्ता सचिन दुवे ने बताया कि वह करीब चार घंटे से कतार में खड़े हैं लेकिन अब तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिल सका है। गैस न मिलने के कारण आम जनता को दैनिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारत गैस एजेंसी के संचालक एन.एम. शुक्ला ने स्पष्ट किया कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि लोग घबराहट में एक साथ एजेंसी पहुंच रहे हैं जिससे कतारें लंबी हो रही हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि कमरिशियल सिलेंडर की उपलब्धता फिलहाल बंद है। जिससे उसकी डिलीवरी प्रभावित हो रही है। कमरिशियल गैस की सप्लाई रुकने से बड़ी मुश्किल पिटले कुछ समय से बाधित है। इसके चलते होटल और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सामने संकट खड़ा हो गया है।

प्रशासनिक कार्यों में संवेदनशीलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश- विकास मिश्रा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने बुधवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। मिश्रा वर्ष 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उनके पदभार ग्रहण करते ही जिला प्रशासन में नई कार्यशैली और प्रार्थमिकताओं को लेकर स्पष्ट संदेश दिया गया। मिश्रा ने जिले के अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रारंभिक समीक्षा की। उन्होंने जिले की प्रशासनिक स्थिति संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का



प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रशासन का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना होना चाहिए। कलेक्टर मिश्रा ने यह भी कहा कि जिले में विकास कार्यों को और गति दी जाएगी तथा सेवा वितरण

प्रणाली को मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखंड अधिकारी गोपद शुकल राकेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नवागत विकास मिश्रा का कलेक्ट्रेट निरीक्षण व्यवस्थाओं में सुधार, स्वच्छता, पारदर्शिता और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली पर दिया जोर



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने पदभार ग्रहण करने के बाद कलेक्ट्रेट कार्यालय के विभिन्न विभागों और शाखाओं का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

इस दौरान उन्होंने कार्यालयीन कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने



परिसर की साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित कार्यस्थल न केवल कार्यक्षमता को बढ़ाता है बल्कि आमजन के बीच प्रशासन की सकारात्मक छवि भी स्थापित

करता है। कलेक्टर मिश्रा ने कार्यालयों में फैले बिजली के तारों को व्यवस्थित करने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण और रख-रखाव पर जोर

देते हुए कहा कि सभी रिकॉर्ड अद्यतन और आसानी से उपलब्ध होने चाहिए ताकि कार्यों के निष्पादन में तेजी लाई जा सके। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कक्षों में नम

प्लेट और पहचान पत्र (आईडी) अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। जिससे आम नागरिकों को संबंधित अधिकारी की पहचान करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न शाखाओं में जाकर कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार लाना समय की मांग है और इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

खेत में मिली महिला की लाश, पति ने शक में पीट-पीटकर की हत्या

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सेमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बढीय में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। महिला का शव खलिहान में आपत्तिजनक अवस्था में मिला जिसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। पुलिस ने इस मामले में मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसने चरित्र संदेह में हत्या करना स्वीकार किया है। मृतका की मां मुन्नी ने बताया कि उसकी बेटी उमा रावत अपने पति मिथिला उर्फ ललवा रावत के साथ खलिहान में गेहूं की कटाई कर रही थीं और रात में वहीं रुकती थीं। रात जब मां खलिहान पहुंची तो वहां का दृश्य देखकर दंग रह गईं। उमा के हाथ-पैर बंधे हुए थे और शरीर पर चोटों के गंभीर निशान थे। आरोपी ने वारदात के बाद शव को रजाई से छंका दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार



हो गया। जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था जिसके चलते उसने लाठी से पीट-पीटकर उसकी जान ले ली। एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल ने बताया कि आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पीएम संबोधन, 'ट्रंपी युद्धविराम'

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में वक्तव्य देकर पश्चिम एशिया के संकट और संघर्ष को कोरोना महामारी जैसी गंभीर और अभूतपूर्व चुनौती माना है। उन्होंने देश की एकजुटता का आह्वान किया और इस आर्थिक, सुरक्षा संबंधी, मानवीय चुनौती को 'चुनौती' देने का हौसला दिया। प्रधानमंत्री ने देश को आरवस्त भी किया और जानकारी भी साझा की कि पहले हम 27 देशों से आयात करते थे, लेकिन अब 41 देशों से विविध सामान ले रहे हैं। देश में 53 लाख

मीट्रिक टन कच्चे तेल का 'रणनीतिक भंडार' है। उसे बढ़ा कर 65 लाख मीट्रिक टन करने पर काम किया जा रहा है। अब हम पेट्रोल में 20 फीसदी इंधनोत्पत्ता का मिश्रण करते हैं, लिहाजा 4.5 करोड़ बैरल कम तेल आयात करना पड़ रहा है। यह प्रयोग सफल रहा है। रेलवे का लगभग 100 फीसदी बिजलीकरण किया जा चुका है, लिहाजा डीजल और कोयले की खपत नगण्य हो गई है। देश में खाद्यान्न के पर्याप्त भंडार हैं और खरीफ की बुवाई के लिए उर्वरकों की

पूरी व्यवस्था है। देश में यूरिया के 6 प्लांट लगाए गए हैं, जो 76 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन कर रहे हैं। किसानों को 22 लाख सोलर पंप दिए गए हैं। देश में बिजली उत्पादन की पर्याप्त मात्रा है और 1500 मेगावाट पनबिजली जोड़ी जा रही है। वैकल्पिक ऊर्जा के तौर पर 250 गीगावाट का उत्पादन किया जा रहा है। मानवीय

स्तर पर देखें, तो ईरान युद्ध शुरू होने के बाद 3.75 लाख भारतीयों को वापस लाए हैं। ईरान से भी करीब 1000 भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। मेडिकल के 700 छात्रों को भी वापस लाने में हम सफल रहे हैं। भारतीय दूतावास 24 घंटे काम कर रहे हैं और भारतीयों के संपर्क में हैं। बहरहाल यह संसद में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का सारांश

है। यह उनका दायित्व भी था कि देश को यथासंभव बचाए। इसे हम 'राष्ट्र के नाम संबोधन' ही नहीं, बल्कि वैश्विक संदेश मानते हैं। प्रधानमंत्री ने बार-बार मानवता की रक्षा और उसके हित में तनाव, युद्ध को अविलंब खत्म करने की अपील की है। भारत संयम, संवाद, शांति, स्थिरता और कूटनीति का पक्षधर रहा है। प्रधानमंत्री के वक्तव्य के दो-अर्धों घंटे बाद ही अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने, अचानक ही, एकतरफा और पांच दिनों का युद्धविराम घोषित कर दिया।

उन्होंने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत सार्थक और सकारात्मक रही है। ईरान अमरीका के साथ डील करना चाहता है। कैसी डील...! अमरीका ने तो ईरान के पाँच प्लांट तबाह करने के लिए 48 घंटे की धमकी दी थी, लेकिन 12 घंटे शेष रहते ही युद्धविराम का ऐलान कर दिया। क्या यह ट्रंप का नया छलावा, मद्दुंरत है अथवा वह युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अब ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।

श्रीराम और तीर्थंकर महावीर के बीच वंश परंपरा का मधुर संबंध

श्रमण डॉ. पुणेन्द्र

चैत्र महीने का सीधा संबंध महापुराणों के जन्मों के साथ जुड़ा हुआ है। चैत्र माह को शुक्ल पक्ष की नवमी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव आता है तो जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक (जन्म जयंती) भी चैत्र महीने में ही शुक्ल की त्रयोदशी को मनाया जाता है।

इन दो महान व्यक्तित्वों का जन्म चैत्र माह में ही सिर्फ 4 तिथियों के अंतर पर हुआ। हालाँकि दोनों के जन्म में हजारों वर्षों का अंतर है। फिर भी दोनों के बीच एक मधुर, गहरा और अद्भुत संबंध है।

भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर हैं। इस महान परंपरा की तीर्थंकर परंपरा के प्रथमश अंसि, मंसि कृषि व अंक शब्दों के जनक प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ (ऋषभदेव) से हुआ, जो कि पहले तीर्थंकर थे। भगवान आदिनाथ अयोध्या के राजा नाथि के पुत्र के रूप में जन्मे। यानी अयोध्या न केवल श्रीराम की जन्मभूमि रही है, बल्कि जैन परंपरा में भी अत्यंत पवित्र स्थान है, क्योंकि यहाँ चार अन्य तीर्थंकरों का जन्म भी हुआ अजितनाथ (दूसरे), अभिनंदनाथ (चौथे), सुमतिनाथ (पांचवें) और अनंतनाथ (14वें)।

संयोग से, भगवान आदिनाथ का जन्म भी चैत्र मास में ही हुआ था। हालाँकि वह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि थी। उन्होंने सूर्यवंश की इक्ष्वाकु परंपरा की स्थापना की, वही वंश जिसमें कई पाँड़ियों बाद भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इस सदी के चौबीस तीर्थंकरों में से तीन तीर्थंकरों, वासु पूज्य स्वामी, मुनि सुव्रतनाथ व नेमिनाथ तीर्थंकर को छोड़कर बाकी इक्कीस तीर्थंकर इक्ष्वाकुवंश में उत्पन्न हुए। इस प्रकार, भगवान महावीर को जैन परंपरा और भगवान श्रीराम की वंशावली दोनों की जड़ें भगवान आदिनाथ से जुड़ी हैं।

त्रिशांतिशलाका पुरुषचरित्रं, पउम चरित्रं, पद्मपुराण साहित्यक ग्रंथों में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का उल्लेख सम्मिलित है। चौथे आरे के बीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रत स्वामी के समय में श्रीराम का उल्लेख मिलता है। जैन साहित्य अनुसार श्रीराम को बलदेव माना गया है जो कि 63शलाक्य पुरुष में आते हैं, तो एक दशमिक परंपरा है, दूसरी जैविक। यह संबंध केवल भूगोल, वंश और नामों तक सीमित नहीं है। यह गहराई तक विचार और मूल्य व्यवस्था में रचा-बसा है। चाहे तीर्थंकर हों या श्रीराम, सभी ने धर्म की भावना को जीवन का मूल बनाया। इक्ष्वाकु वंश का नाम ही इक्षु अर्थात् गन्ने से लिया गया है। सरयू नदी के तट पर बसे अयोध्यावासी गन्ने की खेती करते थे और उसका रस निकालना जानते थे। यह बात तब और स्पष्ट हो जाती है जब हम पाते हैं कि भगवान ऋषभदेव ने अपने पौत्र श्रेयांस कुमार के हाथों हरितनापुर शहर में अपने 400 दिवसीय उपवास को अक्षय तृतीया के दिन गन्ने के रस को स्वीकर कर उस कठिन तपस्या का पारणा संपन्न किया।

विस्तृत गहराई से अगर अध्ययन किया जाए तो दोनों महापुरुषों ने सत्य, धर्म व सात्विक जीवन शैली तथा पर पीड़ा नहीं पहुँचाने का प्रयास ही नहीं किया अपितु जनमानस को संदेश भी दिया।

अनेक प्रकार से देखा और समझा जा सकता है कि मूलतः धर्म की आत्मा हमें यह सिखाती है कि मानव जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा है। चाहे वो तीर्थंकर हों या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम। धर्म वह स्वभाव है जो हर मानव के भीतर प्राकृतिक रूप से निहित है।

तीर्थंकर वर्द्धमान महावीर ने वर्तमान समय में व्यथित व कुट्टित जनमानस को संदेश देते हुए कहा कि सर्व प्रथम मन पर नियंत्रण बनाना होगा। मन हमेशा दुख देता है। मन की इच्छाएँ अनंत हैं, वह कभी भी पूर्ण नहीं होता है। अगर एक इच्छा पूरी होगी तो उसके साथ सौ नई इच्छाएँ शुरू हो जाएंगी। ऐसे में सभी इच्छाएँ पूरी होंगी, इसकी कल्पना भी संभव नहीं है। जैसे ही इच्छा अपूर्ण हुई, मन विचलित होगा और दुख देगा। यही दुख और दूसरी इच्छाओं के अपूर्ण होने पर बढ़ता जाएगा। एक समय यह आएगा कि अनंत इच्छाओं की अपूर्णता लिए मन दुखों का अंबार उडेल देगा और पूरा जीवन दुखों के भंवर में उलझ जाएगा। बेहतर यही है कि मन पर नियंत्रण बनाओ और उसके साथ जीवन की इच्छाओं पर भी। अगर हम यह करने में सफल रहे तो गृहस्थ में रहकर भी मुक्ति का मार्ग पकड़ लेंगे। हम अनंत इच्छाओं के समुद्र में रहकर भी शांत और सुखी रहेंगे।



सुविधा, सुरक्षा और गति के नए युग की ओर बढ़ता भारत का भारतीयरेल भारत की जीवनरेखा

कही जाने वाली भारतीय रेल आज एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रही है, जहाँ उसकी भूमिका केवल परिवहन तक सीमित नहीं रह गई है यह अब देश की आर्थिक गति, सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक एकात्मता का सशक्त माध्यम बन चुकी है। वर्ष के प्रारम्भ में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा व्यक्त दृष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारतीय रेल को पारंपरिक ढांचे से निकालकर आधुनिक, कुशल और यात्री-केंद्रित प्रणाली में रूपांतरित करना अब प्राथमिकता है। यह परिवर्तन केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेता दिखाई दे रहा है।

संपादकीय

रेल भवन में आयोजित हालिया प्रेस वार्ता में घोषित आठ प्रमुख सुधारों ने इस बदलाव को एक स्पष्ट दिशा दी है। ये सुधार किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रेलवे के संचालन, संरचना, सेवा और सोच-समझ को समाहित करते हैं। यही कारण है कि आज भारतीय रेल का चेहरा व्यापक रूप से बदलता नजर आ रहा है। आधुनिक ट्रेनों के संचालन ने इस परिवर्तन को सबसे अधिक दृश्य रूप दिया है। अमृत भारत, वंदे भारत एक्सप्रेस और बंदे भारत स्लीपर जैसी ट्रेनों ने यात्रा के अनुभव को नई ऊँचाई दी है। ये ट्रेनें गति, आराम और तकनीकी उत्कृष्टता का संतुलित मेल प्रस्तुत करती हैं। वही नमो भारत ट्रेन क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई गति देते हुए छोटे शहरों और महानगरों के बीच दूरी को कम कर रही है। इसके साथ ही बुलेट ट्रेन परियोजना भारत को उच्च गति रेल नेटवर्क की वैश्विक श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वकांक्षी प्रयास है। स्टेशनों का पुनर्विकास इस परिवर्तन की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी है। देश के अनेक रेलवे स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर यात्रियों को एक

बिनोद कुमार सिंह

व्यवस्थित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण प्रदान कर रहे हैं। प्रतिशालाओं की गुणवत्ता, डिजिटल सूचना प्रणाली, एस्कैलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएँ अब सामान्य होती जा रही हैं। रेलवे स्टेशन अब केवल यात्रा के पड़व नहीं, बल्कि अनुभव के केंद्र बनते जा रहे हैं। इन व्यापक परिवर्तनों के बीच घोषित आठ सुधार भारतीय रेल के भविष्य की बुनियाद के रूप में उभरते हैं। सबसे पहला सुधार टिकटिंग प्रणाली के पूर्ण डिजिटलीकरण और सरलीकरण से संबंधित है। टिकट बुकिंग की जटिलताओं को समाप्त कर इसे पारदर्शी और सहज बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मोबाइल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया जा रहा है, जिससे हर वर्ग का यात्री बिना किसी कठिनाई के टिकट प्राप्त कर सके। दूसरा सुधार सुरक्षा तंत्र के सुदृढीकरण का है। रेलवे परिसरों और ट्रेनों में आधुनिक निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी नेटवर्क और तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों को विस्तार दिया जा रहा है। इससे यात्रियों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा और रेलवे एक अधिक सुरक्षित यात्रा माध्यम के रूप में स्थापित होगा। तीसरा सुधार समय बढ़ता और परिचालन दक्षता पर केंद्रित है। ट्रेनों

पुलिस तंत्र में मुखबिर असुरक्षित? लीक होती गोपनीय सूचनाओं से उठे गंभीर सवाल

संदीप द्विवेदी

संपादक दैनिक मीडिया ऑडिटर

पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। खासकर मुखबिर तंत्र की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। जिन सूचनाओं को अत्यंत गोपनीय रखा जाना चाहिए वही अब सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप में खुलेआम व्यापक हो रही हैं। इससे न सिर्फ विभागीय गोपनीयता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है बल्कि उन मुखबिरों की जान भी खतरे में पड़ रही है जो अपनी पहचान छिपाकर पुलिस को मदद करते हैं। सूत्रों की मानें तो कई मामलों में धाना स्तर से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों एसपी और आईजी स्तर तक की गोपनीय चर्चाएँ भी सार्वजनिक हो जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विभाग के भीतर ही कहीं न कहीं लापरवाही या मिलापट हो रही है? अगर संवेदनशील जानकारी अंदरखाने ही बाहर

पहुँचाई जा रही है तो यह न केवल अनुशासनहीनता है बल्कि पूरे सुरक्षा तंत्र के लिए बड़ा खतरा भी है। मुखबिर किसी भी पुलिस व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। अपराधियों तक पहुँचने बड़े नेटवर्क का खुलासा करने और समय रहते कार्रवाई करने में उनकी भूमिका अहम होती है। लेकिन जब यही मुखबिर खुद को असुरक्षित महसूस करने लगें तो यह स्थिति बेहद चिंताजनक हो जाती है। कई मामलों में देखा गया है कि जानकारी लीक होने के बाद अपराधी सतर्क हो जाते हैं और मुखबिरों की पहचान उजागर होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे उनके ऊपर हमले या सामाजिक बहिष्कार जैसी स्थितियाँ भी बन सकती हैं।

विडंबना यह है कि एक ओर अधिकारी एसी कमरों में बैठकर सफलता की कहानियाँ गढ़ते हैं वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर काम करने वाले मुखबिरों को उचित सुरक्षा और सम्मान नहीं मिल पाता। कई मुखबिर अब पुलिस से दूरी बनाने लगे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं उनकी पहचान उजागर न हो जाए। अगर यही हाल

रहा तो आने वाले समय में पुलिस को खुफिया सूचनाओं के लिए गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह तेज हुआ है लेकिन इसके साथ ही गोपनीयता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी हो गया है। विभाग को चाहिए कि वह आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करे और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी संवेदनशील जानकारी बिना अनुमति के बाहर न जाए। साथ ही जो कर्मचारी इस तरह की लापरवाही या जानबूझकर लीक करने में शामिल जाएं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पुलिस विभाग इस गंभीर मुद्दे को समय रहते समझेगा या फिर मुखबिर तंत्र के कमजोर होने का खामियाजा पूरे कानून-व्यवस्था को भुगतना पड़ेगा? अगर हालात नहीं सुधरे तो वह दिन दूर नहीं जब मुखबिर पूरी तरह से किनारा कर लेंगे और पुलिस का सबसे मजबूत हथियार खुद ही कमजोर पड़ जाएगा।

ऊर्जा ठिकानों पर हमले: दुनिया को मंदी की ओर धकेलता युद्ध

ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायली हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच गया है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर यह हमला केवल एक सैन्य घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। आपूर्ति में रुकावट के कारण कई देशों को लंबे समय तक ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। द इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित समाचार के अनुसार अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने इतिहास का सबसे खराब वैश्विक ऊर्जा व्यवधान बताया है, जो 1973 के अरब तेल प्रतिबंध को भी पीछे छोड़ दिया है।

राज कुमार सिन्हा

मुख्य निवेश अधिकारी डैन पिकरिंग ने कहा कि आप ऊर्जा संरक्षण के जरिए इस समस्या से बच नहीं सकते। इसका नतीजा यह होगा कि कीमतें इतनी बढ़ जाएंगी कि लोग उपभोग करना बंद कर देंगे। यह पहली बार है जब खाड़ी क्षेत्र में ईरान के ऊर्जा ढांचे को सीधे निशाना बनाया गया है। 17 मार्च तक, अमेरिका और इजराइल ने खाड़ी में ईरान के ऊर्जा उत्पादन केंद्रों को निशाना बनाने से परहेज किया था। यहाँ तक कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 90 प्रतिशत तेल निर्यात केंद्रों को बंद कर दिया, तब भी केवल सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इजराइल द्वारा कतर के साथ साझा किए जाने वाले साऊथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमले के बाद यह स्थिति बदल गई है। पार्स गैस फील्ड दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार का हिस्सा है, जिसे ईरान कतर के साथ साझा करता है। इस घटना को अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को बड़े ऊर्जा संकट के रूप में देखा जा रहा है। जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी

आरामको की रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर झेन और मिसाइलों से हमला किया। यह युद्ध का एक खतरनाक मोड़ साबित हो रहा है। साऊथ पार्स गैस क्षेत्र, भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई तत्काल वृद्धि से इसके महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। ईरान द्वारा होमुजुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है। होमुजुज जलडमरूमध्य में चल रही बाधाओं ने यह दिखा दिया है कि एक छोटा समुद्री मार्ग भी वैश्विक सप्लाई चेन को हिला सकता है। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर, जो दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी निर्यात केंद्र है, ईरानी मिसाइल हमलों से तबाह हो गया है। रास लाफान पर हमलों के कारण कतर की कुल एलएनजी निर्यात क्षमता में लगभग 17 प्रतिशत की कमी आई है। कतर एनजी के अधिकारियों के अनुसार, इस नुकसान की मरम्मत में 3 से 5 साल का समय लग सकता है, जिससे यह एक



दीर्घकालिक संकट बन गया है। इस हमले से कतर को प्रति वर्ष लगभग 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है।

यह हमला केवल कतर तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर भी इसका बड़ा असर पड़ा है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस जरूरतों का लगभग 40 से 50 प्रतिशत कतर से आयात करता है, इसलिए यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। मध्य पूर्व से चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को तेल का लगभग 75 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 59 प्रतिशत निर्यात होता है।

इन सभी अर्थव्यवस्थाओं को तेल-गैस की कमी का सामना करना पड़ रहा है। होटल, रेस्टॉरेंट, पर्यटन और उत्पादन जैसे कई क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। नेशनल

प्लांट बंद हैं, जिससे भारत में भी खाद की किल्लत बढ़ सकती है।

यदि यह संघर्ष लंबा चलता है, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकता है। ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि ने वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान घटाए हैं। विकासशील देशों में पूंजी प्रवाह कम हुआ है। कई देशों ने अपने रक्षा बजट बढ़ा दिए हैं, जिससे सामाजिक और विकासात्मक खर्चों पर दबाव बढ़ा है। भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई है। भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन सप्ताह में 27 से 34 लाख करोड़ रुपये तक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। मूडीज के अनुसार, ऊर्जा की कीमतें बढ़ती रहें तो भारतीय रुपये पर दबाव और बढ़ेगा। खाड़ी देशों में 90 लाख भारतीय काम कर रहे हैं। युद्ध के कारण 50 हजार भारतीय वापस देश लौट चुके हैं। अगर युद्ध लंबा खिंच गया तो काम प्रभावित होगा और शेष भारतीय भी वापस लौटने को मजबूर होंगे। खाड़ी देशों में भारतीय काम करके अच्छा खासा रेंटिंस भारत में भेजते हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती

मिलती है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि यदि संघर्ष जारी रहता है, तो कतर और कुवैत की जीडीपी में 14 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। विदित है कि युद्ध के कारण अनिश्चितता बढ़ती है, जिससे निजी निवेश रुक जाता है और वित्तीय प्रणाली कमजोर होती है। युद्ध राष्ट्रीय ऋण में वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति, बुनियादी ढांचे के विनाश और दीर्घकालिक आर्थिक विकास में गिरावट का कारण बनता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए 100 से अधिक युद्धों के अध्ययन में यह पाया गया कि इन संघर्षों के कारण संबंधित देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़े। वर्तमान युद्धों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बहुआयामी संकट में डाल दिया है। यदि यह संघर्ष जल्द समाप्त नहीं होता, तो यह 1990 के बाद के सबसे बड़े आर्थिक संकटों में से एक बन सकता है। यह संकट दुनिया भर के उपभोक्ताओं, व्यवसायों और नीति निर्माताओं के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है और वैश्विक मंदी के जोखिम को बढ़ा रहा है। (बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

वीवीपैट एवं ईवीएम का त्रैमासिक भौतिक निरीक्षण संपन्न

राजनीतिक दलों की उपस्थिति में पारदर्शी प्रक्रिया, मशीनों की सुरक्षा व कार्यप्रणाली की हुई गहन जांच

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। 25 मार्च 2026: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार, बुधवार को जिले में वीवीपैट एवं इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का त्रैमासिक भौतिक निरीक्षण किया गया यह निरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी के अनुरूप पूरी पारदर्शिता और सावधानी के साथ किया गया निरीक्षण के दौरान वीवीपैट एवं ईवीएम मशीनों की भौतिक स्थिति, सील की सुरक्षा, स्ट्रॉंग रूम में सुरक्षित भंडारण व्यवस्था, तथा तकनीकी कार्यप्रणाली का सूक्ष्म परीक्षण किया गया यह सुनिश्चित किया गया कि सभी मशीनों निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुरूप सुरक्षित और कार्यक्षम हैं निरीक्षण को प्रक्रिया पूरी तरह से निर्धारित



प्रोटोकॉल के तहत संपन्न की गई जिससे किसी भी प्रकार की त्रुटि या संदेह की संभावना न रहे निरीक्षण में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की उपस्थिति में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों

को आमंत्रित किया गया जिनमें भारतीय जनता पार्टी के आशिष सिंह, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भावेश जैन, बहुजन समाज पार्टी के हरिशंकर, आम आदमी पार्टी के रमाशंकर मिश्रा, और जिला

पंचायत सदस्य सुखमती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे निरीक्षण के उपरान्त सभी प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रक्रिया को संतोषजनक, पारदर्शी, और



निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बताया उन्होंने मशीनों की सुरक्षा, रखरखाव और निगरानी व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया जिला प्रशासन ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में

मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का नियमित निरीक्षण किया जाता है जिससे चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता को मजबूती मिलती है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का नवाचार में शानदार प्रदर्शन



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेन्द्रगढ़ एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के लिए चर्चा में है। विद्यालय के दो मेधावी विद्यार्थियों अक्षरा सिन्हा और रचित गुप्ता ने आयोजित नवाचार प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्रमशः विमेन सेप्टी डिवाइस एवं 'डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ एन आरसी बोट फॉर क्लीनिंग वाटर' विषयों पर 10,000-10,000 की प्रोत्साहन राशि प्राप्त की यह उपलब्धि विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, परिश्रम और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। Department of Science & Technolog 4 द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार की

भावना को बढ़ावा देना और उनके विचारों को व्यवहारिक रूप देना है अक्षरा सिन्हा द्वारा तैयार 'विमेन सेप्टी डिवाइस' परियोजना महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है जबकि रचित गुप्ता की 'आरसी बोट' परियोजना जल स्रोतों की सफाई के लिए एक उपयोगी तकनीकी समाधान प्रस्तुत करती है दोनों परियोजनाएँ समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही हैं विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल छात्रों के लिए बल्कि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

ओलंपिक में एमसीबी का ऐतिहासिक प्रदर्शन, 8 स्वर्ण सहित 26 पदकों से गुंजा संभाग



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। संभाग स्तरीय सरगुजा ओलंपिक में एमसीबी जिले के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल से सबको प्रभावित किया 21 से 23 मार्च तक अंबिकापुर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एमसीबी ने 8 स्वर्ण, 14 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 26 पदक जीतकर अपने जिले का नाम रोशन किया प्रतियोगिता का भव्य

ट्रैक एंड फील्ड से लेकर कुश्ती, कराते और कबड्डी तक, हर क्षेत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ में टी. होमेश्वर राव की तेज रफ्तार, भाला फेंक में कुमारी अनिता सिंह की सटीकता ऊँची कूद में आनंद कुमार की उड़ान कराते में कुमारी आरधना मार्को का जुझारूपन और कुश्ती में सीमा सिंह की ताकत ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया कबड्डी में भी एमसीबी का दबदबा था जहाँ जूनियर बालक, जूनियर बालिका और सीनियर बालक वर्ग की टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर टीम स्पिरिट और रणनीति का शानदार प्रदर्शन किया। कांस्य पदक में सुरेंद्र सिंह (कराते 67 किग्रा), शनि लुइश (कुश्ती 57 किग्रा), कंचन सिंह (ऊँची कूद), तथा तीरंदाजी में शिवम,

मुकेश और चंदन ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस अभूतपूर्व सफलता पर एमसीबी जिले के कलेक्टर डी. वेंकट राहुल ने खिलाड़ियों को बधाई दी और इसे जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं और मजबूत खेल संरचना का परिणाम बताया उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। जिला खेल अधिकारी विनोद जायसवाल ने इसे 'जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण' बताते हुए कहा कि यह सफलता भविष्य में और बड़े खेल लक्ष्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा बनेगी इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल सरगुजा संभाग में बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में जिले की पहचान को एक सशक्त खेल शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया है।

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के खनिज विभाग ने ग्राम पंचायत बिछियाटोला, तहसील केलहारी स्थित रेत खदान की विस्तृत जांच की जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि खदान संचालन में कोई भी अनियमितता नहीं पाई गई कलेक्टर (खनिज शाखा) कार्यालय के निर्देश पर 24 मार्च 2026 को खनिज विभाग के अधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया जिसमें खदान क्षेत्र का बारीकी से अवलोकन किया गया निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि रेत उत्खनन का कार्य पर्यावरणीय नियमों और निर्धारित शर्तों के अनुसार किया जा रहा है खदान से रेत का परिवहन ट्रैक्टर के माध्यम से किया जा रहा था और इसमें वैध अभिवहन पास का उपयोग किया जा रहा था यह पुष्टि करता है कि खनन कार्य पूरी तरह से वैधानिक प्रक्रिया के तहत

केल्हारी की रेत खदान पर उठे सवाल का अंत जांच में मिली क्लीन चिट, वैध पास से हो रहा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के खनिज विभाग ने ग्राम पंचायत बिछियाटोला, तहसील केलहारी स्थित रेत खदान की विस्तृत जांच की जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि खदान संचालन में कोई भी अनियमितता नहीं पाई गई कलेक्टर (खनिज शाखा) कार्यालय के निर्देश पर 24 मार्च 2026 को खनिज विभाग के अधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया जिसमें खदान क्षेत्र का बारीकी से अवलोकन किया गया निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि रेत उत्खनन का कार्य पर्यावरणीय नियमों और निर्धारित शर्तों के अनुसार किया जा रहा है खदान से रेत का परिवहन ट्रैक्टर के माध्यम से किया जा रहा था और इसमें वैध अभिवहन पास का उपयोग किया जा रहा था यह पुष्टि करता है कि खनन कार्य पूरी तरह से वैधानिक प्रक्रिया के तहत



संचालित है अधिकारियों ने रेत भंडारण स्थल का भी जायजा लिया जहाँ यह पाया गया कि रेत का भंडारण निर्धारित और स्वीकृत स्थल पर किया जा रहा है संबंधित भंडारण स्थल को विधिवत स्वीकृति मिली हुई है और उसकी अनुमति अवधि 16 जून 2023 से 15 जून 2026 तक प्रभावी है इसके अलावा जल एवं वायु संबंधी पर्यावरणीय स्वीकृति भी 30 जून 2027 तक मान्य है जो सभी आवश्यक नियमों के पालन को दर्शाता है जांच टीम ने मौके पर

उपस्थित ग्रामीणों से भी चर्चा की जिनके अनुसार खदान और भंडारण कार्य शुरू होने के बाद क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं इससे स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और गांव में विकास की गति तेज हुई है इस पूरी जांच के बाद तैयार किए गए प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया है कि खदान संचालन में कोई भी अनियमितता नहीं पाई गई है और सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुसार संचालित हो रहे हैं।

मल्टीलेवल पार्किंग को लेकर एमआईसी बैठक में भिड़े पार्षद



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। कलेक्टर डेविड स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने मल्टीलेवल पार्किंग में आटोडिल का कारोबार करने का आरोप है अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एमआईसी के सदस्यों ने मेयर को धमकाया है एमआईसी के जीएम (रेवेन्यू) एवं नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि पार्किंग का ठेका राजन जायसवाल को तीन वर्षों के लिए दिया गया है। उन्होंने कहा कि पार्किंग में आटोडिल का धंधा होने पर उसे तत्काल रोकने और पार्किंग का उपयोग केवल गाड़ियों के पार्किंग के लिए करने के निर्देश दिए गए हैं अपर आयुक्त के अनुसार इस मामले की जांच का जिम्मा जून 3 को सौंपा गया है। हालांकि जून 3 के प्रभारी जौन कमिश्नर प्रवीण शुक्ला ने बताया कि शाम पौने छह बजे तक उन्हें जांच संबंधी कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है स्मार्ट सिटी के जीएम (टेक्निकल) एसपी साहू ने कहा कि ठेकेदार को नोटिस भेजने की बात कही जा रही है लेकिन वह आदेश कब और किसने जारी किया, इसकी प्रति भी उपलब्ध नहीं कराई गई नगर निगम ने नेता प्रतिपक्ष भरत करणप का कहना है कि जनता के उपयोग के लिए बनाई गई मल्टीलेवल पार्किंग का शतप्रतिशत उपयोग वाहनों की पार्किंग के लिए होना चाहिए वहाँ कोई धंधा कैसे कर सकता है उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन को इस मामले में तत्काल कार्रवाई करना चाहिए।

नल से जल ने बदली तकदीर: बब्बी बाई के जीवन में आया खुशियों का सवेरा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहनटोला की बब्बी बाई की कहानी आज पूरे गांव में बदलाव की प्रेरणा बन चुकी है पहले जहाँ हर दिन बब्बी बाई को पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी वहीं अब उनके जीवन में सुख और सुविधा का दौर आया है पहले बब्बी बाई का हर दिन कुएं और हैंडपंप से पानी लाने की जद्दोजहद में गुजरता था। सुबह होते ही पानी की चिंता शुरू हो जाती थी और इस काम में न केवल समय खर्च होता था बल्कि शारीरिक श्रम भी अधिक करना पड़ता था स्वच्छ पानी की कमी के कारण अक्सर स्वास्थ्य समस्याएं भी होती थीं लेकिन अब 'हर घर नल से जल' योजना ने उनकी जिंदगी का रस ही बदल दिया है अब उनके घर में लगे नल से साफ और सुरक्षित पानी उपलब्ध है जिससे न सिर्फ



उनका समय बचा है बल्कि जीवन में सहजता और खुशहाली भी आई है अब वे अपने परिवार और अन्य कार्यों के लिए ज्यादा समय दे पा रही हैं बब्बी बाई की आंखों में चमक और चेहरे पर सुकून साफ नजर आता है, जब वे कहती हैं 'अब पानी के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ता हमारे घर में ही शुद्ध पानी मिल रहा है यह योजना हमारे गांव के लिए वरदान साबित हुई है और हमारे बच्चों का भविष्य भी बेहतर हो रहा है इस सुविधा के लिए बब्बी बाई प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का

आभार व्यक्त करती हैं उनका कहना है 'यह पहल सच में ग्रामीण जीवन को नई दिशा देने वाली है। बब्बी बाई की यह कहानी सिर्फ एक घर की नहीं बल्कि उस बदलते भारत की तस्वीर है जहाँ सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बना रही हैं 'हर घर नल से जल' योजना ने न केवल बब्बी बाई के जीवन को बेहतर बनाया है बल्कि पूरे गांव में बदलाव की एक नई लहर भी पैदा की है।

एमसीबी जिले से टीबी मुक्त भारत अभियान का स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया ऐतिहासिक शुभारंभ

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जिले में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ इस अभियान की राष्ट्रीय शुरुआत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा द्वारा नोएडा से वरुंडल रूप से की गई जबकि छत्तीसगढ़ में इसका राज्य स्तरीय शुभारंभ जिले से होना ऐतिहासिक साबित हुआ कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी उन्होंने बताया कि देश टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह 100 दिवसीय अभियान उसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यक्रम के दौरान कहा '24



मार्च का दिन ऐतिहासिक महत्व रखता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टीबी मुक्त भारत का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है उन्होंने यह भी बताया कि 7 दिसंबर 2024 से 24 मार्च 2025 तक चले अभियान में 4113 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। जिले की 118 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को गांधी जी की प्रतिमा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया अभियान की प्रमुख विशेषता यह है कि अब

स्वास्थ्य सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचेंगी आयुष्मान स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों की जांच की जाएगी जिसमें रक्त जांच के साथ हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें से छाती का एक्स-रे किया जाएगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की मदद से केवल 5 से 10 मिनट में रिपोर्ट प्राप्त की जाएगी जिससे शुरुआती स्तर पर टीबी की पहचान संभव होगी इस समय जिले में 203 टीबी मरीज उपचाररत हैं जिनमें 7 एमडीआर और 4 टीबी

2021 के सिलेक्टेड कैडिडेट्स को देनी होगी जॉइनिंग, सुप्रीम कोर्ट बोला- जांच के नाम पर नहीं रोक सकते नियुक्ति, के आदेश को सही ठहराया

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। 2021 में चयनित उम्मीदवारों को अब राज्य सरकार को जॉइनिंग देनी होगी सुप्रीम कोर्ट ने राज्य शासन की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दी है सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी सुप्रीम कोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति देने के हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है दरअसल 2021 में गडबड़ी सामने आने के बाद राज्य शासन ने सीबीआई जांच की घोषणा की थी सीबीआई इस केस की जांच कर रही है जबकि एग्जाम में सिलेक्टेड



उम्मीदवारों को राज्य शासन ने जांच का हवाला देकर नियुक्ति आदेश नहीं दिया है इससे परेशान होकर डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी के पद पर

चयनित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी जिसमें उन्होंने कहा कि उनका चयन मेरिट पर हुआ है न तो उनके खिलाफ कोई जांच चल रही है

और न ही कोई केस दर्ज है इसके बाद भी उन्हें जॉइनिंग से रोक दिया गया है हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति



रोकने का कारण पूछा था जवाब में राज्य सरकार ने सीबीआई जांच का हवाला दिया था जिससे असंतुष्ट हाईकोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति

दने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल पिटिशन लीव दायर कर चुनौती दी।

शिक्षा मंत्री ने जारी किया 5वीं-8वीं का रिजल्ट टॉप-10 से बाहर शिवपुरी

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 5वीं और 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वल्लभ भवन में एक कार्यक्रम में बटन दबाकर परिणाम जारी किए इस बार प्रदेश में 5वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 95.14% और 8वीं का 93.83% रहा हालांकि शिवपुरी जिला दोनों कक्षाओं में प्रदेश के टॉप-10 जिलों से बाहर रहा प्रदेश स्तर पर जारी इन परिणामों में छात्राओं ने छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है कक्षा 8वीं के परिणाम में शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का गृह जिला नरसिंहपुर प्रदेश में पहले स्थान पर रहा जिले के

प्रदर्शन की बात करें तो कक्षा 5वीं में जिले का प्रदर्शन औसत से बेहतर रहा यहाँ कुल 37,755 छात्र परीक्षा में शामिल हुए जिनमें से 36,614 छात्र उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.98% दर्ज किया गया और इसे प्रदेश में 16वां स्थान मिला वहीं कक्षा 8वीं में जिले का प्रदर्शन कमजोर रहा इस कक्षा में कुल 30,287 छात्र परीक्षा में बैठे जिनमें से 28,411 छात्र सफल हुए जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.81% रहा और इसे प्रदेश में 32वां स्थान प्राप्त हुआ जिसके कारण शिवपुरी टॉप-10 जिलों की सूची से बाहर रहा प्रदेश स्तर पर जहाँ 5वीं में 95.14% और 8वीं में 93.83% छात्र पास हुए हैं।

अफवाहों से आगर मालवा में पेट्रोल पंपों पर भीड़ कुछ पंपों पर स्टॉक खत्म, कानड़ में मारपीट



मीडिया ऑडिटर, आगर मालवा (निप्र)। आगर मालवा जिले में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव की अफवाहों के कारण ईंधन संकट की आशंका गहरा गई है। मंगलवार देर रात से ही पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी, जो बुधवार दोपहर तक जारी रही। जिला मुख्यालय स्थित गुप्ता पेट्रोल पंप पर मंगलवार देर रात भारी भीड़ के कारण पेट्रोल खत्म हो गया था। इसके चलते पंप को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। पंप संचालक नवीन गुप्ता ने बताया कि बुधवार सुबह टैंकर पहुंचने के बाद लगभग 9 बजे से पेट्रोल-डीजल का वितरण फिर से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अब पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और अन्य टैंकर भी आने वाले हैं। मार्केटिंग सोसायटी पेट्रोल पंप पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुबह कुछ समय के लिए मशीनें बंद रखी गईं। पंप मैनेजर ईश्वर यादव के अनुसार, यहां लगभग 30-30 हजार लीटर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक मौजूद है और सुबह 9 बजे से वितरण शुरू कर दिया गया था। जिले के कुछ अन्य पेट्रोल पंपों, जिनमें नायरा, ताज फील्ड स्टेशन, ढाबला पिपलोन और ग्राम कुबड़िया खेड़ी शामिल हैं, पर भी रिजर्व स्टॉक के अलावा पेट्रोल खत्म होने की सूचना मिली है। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी एम.एल. मालवीय ने इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 57 पेट्रोल पंप हैं और सभी स्थानों से लगातार जानकारी जुटाई जा रही है। एम.एल. मालवीय ने स्पष्ट किया कि जिले में ईंधन की कुल मि.अ.क. कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, कुछ पंपों पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है, और कुछ स्थानों पर तो दो माह तक का भंडारण भी मौजूद है। इस बीच, कानड़ में मंगलवार रात एक पेट्रोल पंप पर पहले पेट्रोल भरवाने को लेकर विवाद हो गया। यह विवाद जल्द ही मारपीट में बदल गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया। इस घटना का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। कुल मिलाकर, आगर जिले में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति फिलहाल सुचारू बनी हुई है।

बैतूल में बोलेरो पलटी, बाइक सवार महिला-बच्चा घायल रानीपुर रोड पर अनियंत्रित होकर हुआ हादसा



मीडिया ऑडिटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल के रानीपुर रोड पर बुधवार को एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में बाइक सवार एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना बैतूल-सारणी स्टेट हाईवे पर कमानी गेट से आगे पेट्रोल पंप के पास हुई। बोलेरो वाहन (क्रमांक खड 48 डब 2902) अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया और इस दौरान एक बाइक को टक्कर मार दी।

बोलेरो पर वन सुरक्षा की लगी है प्लेट: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेट्रोल पंप के सामने अचानक ब्रेक लगाने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे हादसा हुआ। बोलेरो में तीन युवक सवार थे, जो हनुमान डोल से लौट रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने चालक जीतू परते को हिरासत में लेकर कोतवाली थाने पहुंचाया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। बताया गया है कि वाहन पर 'वन सुरक्षा, मध्यप्रदेश शासन' की प्लेट लगी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कार्रवाई: 25 किलो डोडाचूरा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गौहरगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 25 किलो 900 ग्राम अवैध डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपए बताई जा रही है। 23 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो तस्कर तारानगर ओवरब्रिज के पास बैंग में डोडाचूरा रखकर बिक्री के लिए खड़े हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विनोद परमार के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बैंग में पन्नी में छिपाकर रखा गया डोडाचूरा बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अजय पिता किशोरसिंह रायसिंह (30) और ब्रजेश पिता दलवीरसिंह रायसिंह (19) निवासी ग्राम रमगड़ा, थाना बाड़ी शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है।

विश्व क्षय दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडिटर, राजगढ़ (निप्र)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत मंगलवार को विश्व क्षय दिवस के अवसर पर शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय राजगढ़ में क्षय दिवस कार्यक्रम की कार्यशाला मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें टीबी कार्यक्रम के बारे में विस्तार जानकारी दी गई। टीबी मरीजों की टेस्टिंग, उपचार, निदान, निश्चय पोषण योजना, फूडबास्केट, निश्चय मित्र आदि के बारे में बताया गया। उन-7 होने बताया कि म.प्र. में राजगढ़ का टीबी सक्सेस रेट 94 प्रतिशत है, जो कि मध्यप्रदेश में सर्वोच्च जिलों में आता है। जिन संभावित टीबी मरीजों को 10 लक्ष्यों में से (खांसी या कफ दो हफ्ते से ज्यादा बुखार, रात में पसीना आना, बलगम में खून आना, सीने में दर्द, सांस लेने में दिक्कत होना, वजन का कम होना, भूख न लगना, थकान, लक्षण होने पर हाईटेक नॉट मशीन द्वारा टेस्ट किया जाता है।

इटारसी में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाहों से लगी भीड़

मीडिया ऑडिटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाह फैलते ही शहर के पेट्रोल पंपों पर भीड़ पहुंच रही है। बुधवार को रेलवे स्टेशन के सामने स्थित भारत पेट्रोलियम के पंप पर सुबह से ही दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लगी गईं।

कतारों से सड़क पर बढ़ा दबाव : भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कुछ समय के लिए आसपास के रास्तों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। वाहन चालकों को अपनी बारी के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। अफवाह के कारण लोग



जल्दी-जल्दी टंकी फुल कराने के लिए पंपों पर पहुंच रहे थे। पंप कर्मचारियों के समझाने के बावजूद दिनभर भीड़ कम नहीं

हुई। शहर के न्यास कॉलोनी स्थित पेट्रोल पंप और सिटी थाने के सामने वाले पंप सहित अन्य जगहों पर भी इसी तरह के हालात

देखे गए।

पंप कर्मचारियों ने कहा- हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है : पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने साफ किया कि पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, पंप पर पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और शाम तक एक और टैंकर आने की संभावना है। पंप की एक महिला मैनेजर ने नाम न छपाने की शर्त पर बताया कि लोगों में कमी को लेकर गलत धारणा फैल गई है, जबकि ईंधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कर्मचारियों ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरत के हिसाब से ही पेट्रोल-डीजल भरवाएं।

रीवा रेंज में व्हाट्सएप लीक का खेल! गोपनीयता तार-तार, मुखबिरों की जान पर मंडरा रहा खतरा



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। रीवा रेंज में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर एक बड़ा और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। आरोप है कि जिन सूचनाओं को सख्त गोपनीयता में रखा जाना चाहिए वहां अब व्हाट्सएप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुलकर पोसी जा रही है। इस कथित लापरवाही ने न सिर्फ पुलिस सिस्टम की सख्त जांच दिला है बल्कि मुखबिरों की सुरक्षा को भी सीधे खतरे में डाल दिया है। सूत्र बताते हैं कि कई मामलों में कार्रवाई से पहले ही पूरी प्लानिंग और जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल हो जाती है। इतना ही नहीं कुछ मामलों में यह जानकारी यूट्यूब चैनलों तक भी पहुंच रही है। ऐसे में

सवाल उठता है कि आखिर किस स्तर पर यह लीक हो रहा है और क्यों? क्या कुछ अधिकारी फेमस होने की चाह में विभागीय नियमों को दरकिनार कर रहे हैं?

मामला यहीं खत्म नहीं होता। जानकारों के मुताबिक इस तरह की लीक से अपराधियों को पहले ही भनक लग जाती है जिससे वे या तो फरार हो जाते हैं या सबूत मिटाने में सफल हो जाते हैं। इसका सीधा असर पुलिस की कार्रवाई पर पड़ता है जो पहले से ही धीमी गति के आरोपों से घिरी हुई है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा खतरा उन मुखबिरों को है जो अपनी जान जोखिम में डालकर पुलिस को महत्वपूर्ण सूचनाएं देते हैं। यदि उनकी पहचान उजागर होती है तो यह उनके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। पहले भी सोहागी थाना क्षेत्र की सोनौरी चौकी से जुड़ा मामला सामने आया था जिसमें आरोप लगे थे कि पुलिस खुद

मुखबिर तक पहुंचकर दबाव बनाने का प्रयास कर रही थी। अब सेमरिया थाना क्षेत्र की हालिया घटनाएं भी इसी ओर इशारा कर रही हैं कि स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई अब इस पैसंजर टून जैसी हो गई है जो हर स्टेशन पर रुकती है। यानी ना तो कार्रवाई में तेजी है और ना ही गोपनीयता का पालन। मेमोरेन्डम के आरोपियों को समय पर न्यायालय में पेश करने के बजाय उन्हें थानों में मेहनत की तरह रखने के आरोप भी सामने आ रहे हैं जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का मानना है कि यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि एक गंभीर सुरक्षा खामी है। यदि समय रहते इस पर कड़ा एक्शन नहीं लिया गया तो पूरा मुखबिर नेटवर्क ध्वस्त हो सकता है जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे।

सामूहिक आयोजनों में परंपरागत भद्रियों का उपयोग



मीडिया ऑडिटर, बामंदी (निप्र)। युद्ध व विषम परिस्थितियों से पैदा हुई रसोई गैस की किल्लत का असर अब त्योहारों पर दिखने लगा है। क्षेत्र में गणगौर पर्व पर इस बार गैस चूल्हों की जगह ईंट व मिट्टी की पारंपरिक भद्रियां का आयोजन सामूहिक भोज में हुआ। सिलेंडर नहीं मिलने से ग्रामीणों को पुराने तरीके अपनाते पड़े। गांव में गणगौर पर्व श्रद्धा व उत्साह से मनाया गया। हर साल की तरह इस बार भी मनोस्थि परिवारों ने सामूहिक भोज रखा। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने शामिल होकर प्रसादी ली। सुभाष पटेल ने बताया युद्ध व विषम हालात से गैस सप्लाई प्रभावित हो रही है। गैस टैंकियों की उपलब्धता में कमी आई।

किल्लत को देखते हुए भद्रियों की व्यवस्था की गई। आयोजन स्थल पर बड़े स्तर पर ईंट व मिट्टी से भद्रियां बनाई गईं। गोबर के कड़ों की व्यवस्था भी की। कड़वा पटेल ने बताया लकड़ी की भद्रियों से पुरानी संस्कृति व स्वाद भी लौटा। पारंपरिक चूल्हे का खाना ज्यादा स्वादिष्ट लगता है।

गैस किल्लत का असर अब शादी आयोजनों पर भी पड़ता दिख रहा है। गणगौर के बाद क्षेत्र में विवाह आयोजनों का सिलसिला शुरू होगा। पंगत व दूसरे कार्यों में रसोई गैस की जरूरत पड़ेगी। किल्लत के कारण आयोजन वाले परिवार पहले से गैस टैंकियों की जुगत में लगे हैं। परिचितों और रिश्तेदारों से टैंकियां जुटाई जा रही हैं।

महिला बोली- पति का पड़ोसन से अफेयर, मुझे जहर पिलायाछतरपुर में कहा- अवैध संबंध का विरोध करने पर पीटा, सास पर भी आरोप

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बगौता गांव में एक महिला को उसके पति और सास ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पिला दिया। महिला की हालत गंभीर है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पीड़िता पूनम सेन ने आरोप लगाया है कि उनके पति सोनू सेन के पड़ोस में रहने वाली एक महिला से अवैध संबंध हैं। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पूनम ने बताया कि उन्होंने इस संबंध का कई बार लिखित शिकायत के माध्यम से भी विरोध किया था। पूनम के अनुसार, इसी विवाद को लेकर वर्ष 2024 में एक सम्झौता भी हुआ था,



लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी महिला

उन्हें ताने मारती थी और 'प्यार करने वाले कभी डरते नहीं' जैसे गाने गाकर चिढ़ाती

थी। हाल ही में जब पूनम ने फिर से इस संबंध का विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। पूनम का आरोप है कि इसी दौरान पति और सास ने उनके साथ मारपीट की। जब वह घर छोड़कर पुलिस में शिकायत करने जा रही थीं, तो उन्हें रोककर घर में बंद कर दिया गया। पीड़िता ने बताया कि उनके साथ सड़क प र भी सरेआम मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। उनके गले पर अभी भी चोट के निशान मौजूद हैं। इसके बाद उन्हें जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया गया। पूनम सेन का यह भी कहना है कि उनके पति और दूसरी महिला के बीच इंस्टाग्राम पर चैटिंग और वीडियो कॉलिंग होती थी। उन्होंने दोनों को

आपत्तिजनक हालात में भी देखने का दावा किया है। पूनम सेन की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं और उनके दो बच्चे हैं।

उन्होंने पुलिस से पति और सास के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता और उनके मायके पक्ष के परिवार ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही है। हालांकि, पुलिस को अभी तक इस मामले की औपचारिक जानकारी नहीं मिली है। सिविल लाईन टीआई सतीश सिंह का कहना है कि इस तरह का मामला और जानकारी सामने आई है पीड़िता के परिवारों को थाने बुलवाया है उनकी शिकायत पर जांच कर विधि संवत कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी बढ़ी तो मटका-सुराही की मांग तेज, बिक्री तीन गुना



मीडिया ऑडिटर, अकोदिया (निप्र)। गर्मी बढ़ते ही सुराही, मटका सहित अन्य मिट्टी के बर्तनों की मांग बढ़ गई है। ग्रामीण हाट बाजार में मिट्टी के बर्तनों की दुकानें सज गई हैं। सार्वजनिक प्याऊ लगाने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी मिट्टी के बर्तन खरीदना शुरू कर दिया है।

जिन घरों में फ्रिज है, वहां भी मटका और सुराही की खरीद

हो रही है। सुराही 75 से 280 रुपए में मिल रही है। मटका 60 से 180 रुपए में उपलब्ध है। तापमान बढ़ते ही फ्रिज के साथ टंडे पानी के लिए मिट्टी के मटकों की जरूरत बढ़ गई है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण पिछले 15 दिनों में मटकों की बिक्री तीन गुना तक बढ़ गई। नगर के प्रमुख स्थल परशुराम चौराहा पर मटके बिक रहे हैं।

बीना में दो बाइकों की भिड़ंत, तीन गंभीर घायल; प्राथमिक इलाज के बाद तीनों को सागर रेफर किया

मीडिया ऑडिटर, बीना (निप्र)। बीना के कुर्वाई रोड स्थित बायपास पर बुधवार सुबह दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक इलाज के बाद तीनों घायलों को गंभीर हालत में सागर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर कृष्णकांत सिंह राजपूत (20) पिता चिमन सिंह राजपूत निवासी ग्राम बागोदा, कुर्वाई सवार थे।

दूसरी बाइक पर हर्ष साहू (18) पिता शिवनारायण साहू और शुभम सेन (18) पिता अजय सेन, दोनों निवासी कुर्वाई सवार थे।

घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया: शहर के कुर्वाई रोड पर दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर हुई। घटना की



सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया।

सिविल अस्पताल में डॉ. संजीव अग्रवाल ने घायलों का प्राथमिक इलाज किया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए तीनों

को बुदेलखंड मेडिकल कॉलेज, सागर रेफर कर दिया गया।

घायल कृष्णकांत सिंह राजपूत ने बताया कि वह कुर्वाई रोड पर जा रहे थे, तभी अचानक सामने से आ रही बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिस से वे घायल हो गए।

मंदसौर के रिहायशी इलाके में घुसा 6 फीट लंबा मगरमच्छ डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद चंबल नदी में छोड़ा; वन विभाग ने पकड़ा

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के संजीत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दोबड़ा में मंगलवार देर रात एक 6 फीट लंबा मगरमच्छ रहवासी इलाके में घुसा आया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात 1 बजे मगरमच्छ का सफल रेस्क्यू किया। टीम ने रेस्क्यू किए गए मगरमच्छ को रात करीब 2:30 बजे संजीत से होकर गुजरने वाली चंबल नदी के बैकवॉटर क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया है। गनीमत रही कि इस दौरान मगरमच्छ ने किसी ग्रामीण को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया और वन विभाग की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

रात 11:30 बजे मिली सूचना, 1 बजे हुआ रेस्क्यू: ग्राम दोबड़ा में मंगलवार देर रात मगरमच्छ को रहवासी इलाके में देखकर ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया था और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। रात करीब 11:30 बजे सूचना मिलने के बाद वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची



और कड़ी मशक्कत के बाद करीब 1 बजे 6 फीट लंबे मगरमच्छ का सफल रेस्क्यू किया। इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगा। **रेस्क्यू टीम में ये अधिकारी और कर्मचारी रहे शामिल:** वन विभाग के अधिकारी पुष्कर मालवीय के निर्देशन में इस पूरे

रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। रेस्क्यू टीम के सदस्य जितेंद्र सिंह पवार (वन रक्षक), कादर गोंदिया और दीपक नागर ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू की कार्रवाई शुरू की और सुरक्षित तरीके से मगरमच्छ को पकड़ा। रात 2:30 बजे चंबल नदी के बैकवॉटर में छोड़ा रेस्क्यू

ऑपरेशन पूरा होने के बाद वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से चंबल नदी के बैकवॉटर क्षेत्र में छोड़ दिया। यह बैकवॉटर क्षेत्र संजीत से होकर गुजरता है। टीम ने रात करीब 2:30 बजे मगरमच्छ को वहां छोड़ा, जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

नाट-अटेण्ड और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों मिलने पर सीधे वेतन कटेगा

चालू माह और 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर करें फोकस

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में मैहर जिला इस बार अंतिम पायदान के चौथे स्थान पर रहा है। सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग की चालू माह की शिकायतों और 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर फोकस कर निराकृत कराये। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के नाट-अटेण्ड रहने और निम्न गुणवत्ता से बंद होने पर संबंधित अधिकारी को नोटिस नहीं जारी होगा, बल्कि सीधे वेतन में कटौती की जायेगी। बुधवार को कलेक्टर सभाकक्ष में संज्ञक समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में यह निर्देश दिये गये। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी,



सीईओ जनपद अशोक तिवारी, वेदमणि मिश्रा, भारती दीक्षित सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर रानी बाटड ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में सी और डी ग्रेड में रहे विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन में स्वास्थ्य विभाग की 4, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और कृषि उपज मंडी की एक-एक सहित कुल 6 शिकायतें नाट-अटेण्ड पाई गईं। जिसमें सिविल सर्जन आरएन पाण्डेय, मंडी के रामफल साकेत और पीएचई के अरुण मिश्रा को

नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस से ऊपर की मैहर जिले में 4763 शिकायतें लंबित हैं। इनमें खाद्य 1392, ऊर्जा 99, नगरीय विकास 126, पंचायत ग्रामीण विकास 133, महिला बाल विकास 1020, रामनगर के प्रति स्वास्थ्य 170 और पीएचई की 244 शिकायतें शामिल हैं। सामाजिक न्याय विभाग की 44 शिकायतें लंबित हैं और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भुगतान में देरी होने पर उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह को नोटिस जारी

करने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन की प्रतिदिन समीक्षा शाम को कलेक्टर द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की जाती है। सूचना के बावजूद वीसी से नहीं जुड़ने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी मैहर, अमरपाटन, रामनगर के प्रति अप्रसन्नता जताते हेतु कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि 26 मार्च को कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस है। सभी एजेण्डा बिन्दुओं की अपडेट जानकारी आज दोपहर तक प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि तीनों



विकासखण्ड में संकल्प से समाधान अभियान के खण्ड स्तरीय शिविर आयोजित करें। स्वरोजगार योजनाओं में लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा कलेक्टर ने की। उद्यानिकी विभाग में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में लक्ष्य 274 के विरुद्ध 112 प्रकरणों की प्रगति पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। आंगनवाडी केन्द्र भवनों के निर्माण की समीक्षा में मैहर जनपद सीईओ ने बताया कि इस सप्ताह 13 आंगनवाडी जनपद अमरपाटन के अगले माह 3 आंगनवाडी केन्द्र पूर्ण कर

विभाग को सुपुर्द किये जायेंगे। किशोरी बालिकाओं के चल रहे एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि मैहर जिले में 8235 लक्ष्य के विरुद्ध 959 को ही टीकाकरण होना बेहद खराब स्थिति है। सीएमएचओ आरपीएसके की टीम और वाहनों को मोबेलाइजेशन में लगाये और कम से कम आधा लक्ष्य पूरा करें। शेष 50 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के लिए सीईओ जनपद, सीएमओ नगर पंचायत, महिला बाल विकास के सहयोग से पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।

नशामुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम संपन्न



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। केन्द्र सरकार की योजना नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान तथा मध्यप्रदेश शासन, सामाजिक न्याय विभाग के निर्देशानुसार बुधवार को व्यापक स्तर पर नशामुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय सतना तथा मैहर जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों के साथ-साथ शासकीय स्व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना, इंदिरा कन्या महाविद्यालय सतना, ए.के.एस. यूनिवर्सिटी सतना, विट्स इंजीनियरिंग कॉलेज सतना, शासकीय आईटीआई बिरला रोड सतना एवं शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नीमी रोड सतना में एक साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख कलाकार के.के. शुक्ला ने छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को विभिन्न नशीले पदार्थों (मद्यपान, नशीली दवाइयों एवं अन्य मादक पदार्थों) के सेवन से होने वाले गंभीर घातक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की लत के कारण चोरी, हत्या, दुष्कर्म, सड़क दुर्घटनाएँ जैसी घटनाएँ निरंतर बढ़ रही हैं। कई परिवार बिखर रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं और मानव शरीर धीरे-धीरे खोखला होता जा रहा है। इंदिरा कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य ए.के. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्तियों का मानसिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास तभी सांस्कृतिक होगा जब पूरा समाज नशे से दूर रहेगा।

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में मैहर जिला इस बार अंतिम पायदान के चौथे स्थान पर रहा है। सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग की चालू माह की शिकायतों और 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर फोकस कर निराकृत कराये। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के नाट-अटेण्ड रहने और निम्न गुणवत्ता से बंद होने पर संबंधित अधिकारी को नोटिस नहीं जारी होगा, बल्कि सीधे वेतन में कटौती की जायेगी। बुधवार को कलेक्टर सभाकक्ष में संज्ञक समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में यह निर्देश दिये गये। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी,

आयोजित संकल्प से समाधान शिविर में 120 आवेदनों का मौके पर निराकरण



मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। खंड स्तरीय 'संकल्प से समाधान' शिविर का आयोजन वालीवाल ग्राउंड खेल मैदान मैहर में किया गया। शिविर में जनपद पंचायत मैहर एवं नगर पालिका मैहर के कुल 137 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 120 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया। शेष 17 आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है, जबकि 28 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित

किया गया। शिविर में अनुविभागीय अधिकारी दिया पटेल, जनपद पंचायत के सीईओ अशोक कुमार तिवारी तथा तहसीलदार जितेन्द्र पटेल सहित अन्य अधिकारियों ने उपस्थित रहकर समस्याओं का समाधान किया और हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे और आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया।

सुदर्शन हायर सेकेंडरी विद्यालय के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाल ही में घोषित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा परिणामों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। कक्षा 8वीं में अभिषेक मिश्रा ने 88.33% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा 5वीं में अभिनव कुमार द्विवेदी ने 91.75% अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया।

कक्षा 8वीं के परिणामों में अभिषेक मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 88.33% अंक प्राप्त किए और प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, आकाश कुशवाहा ने 86.16% अंकों के साथ द्वितीय स्थान, आर्यन सिंह ने 84.66% के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। आकांक्षा साहू और मोना यादव



क्रमशः 83.83% और 83.50% अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। विद्यालय की मेरिट लिस्ट में कनिष्का पाल, ऋतिक यादव, रुद्र गुप्ता, आयुष विश्वकर्मा, आकाश पांडेय और विधु कुशवाहा का भी प्रदर्शन सराहनीय रहा।



कक्षा 5वीं के परिणामों में अभिनव कुमार द्विवेदी ने 91.75% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि



आदित्य कुशवाहा और आंशिका उपाध्याय ने क्रमशः 89% अंक प्राप्त कर द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया। अनन्या मिश्रा ने 88.75% अंकों के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की मेरिट लिस्ट में आलेख सिंह ने 86.25% अंक प्राप्त किए और अन्य विद्यार्थियों में अंश मिश्रा, अंशिका कुशवाहा, अंशिका शुक्ला, ईशा सेन, रमेश सिंह, साक्षी, पूजा, निधी, पल्लवी और



भो प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। विद्यालय के संचालक राजकुमार कुशवाहा और संचालिका सुनीता कुशवाहा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें बधाई दी। साथ ही, विद्यालय के प्राचार्य सुखेंद्र सिंह, उप प्राचार्य विजय लक्ष्मी सिंह, शिक्षिकाएँ रुचिका शुक्ला, ईशा त्रिपाठी, प्रवीणा सिंह, रीमा सेन, रमेश सिंह, साक्षी, पूजा, निधी, पल्लवी और

27 मार्च को होगा 'आविर्भाव समारोह', भक्ति और संस्कृति का संगम

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। राम नवमी के पावन अवसर पर श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 27 मार्च 2026 को सायं 6.30 बजे से श्रीरामजानकी मंदिर बड़ा अखाड़ा में 'आविर्भाव समारोह' का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन मैहर के सहयोग से आयोजित यह भव्य सांस्कृतिक संध्या श्रद्धा, भक्ति और शास्त्रीय-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अनुपम संगम बनेगा। कार्यक्रम को शुरुआत रीवा की बघेली लोकगायिका सुश्री शिवानी पाण्डेय एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा लोक-भक्ति गायन से होगी। उनकी प्रस्तुति में लोकधारा की मधुरता के साथ प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान किया जाएगा। इसके बाद सुश्री सपना नामदेव दुबे एवं उनके दल द्वारा कथक शैली में 'श्रीरामकथा' पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श, त्याग और धर्मनिष्ठा को सजीव रूप में दर्शाया जाएगा।

सिन्धु विकास समिति निकालेगी अनूठी झांकी, शोभा यात्रा में होगा चलित रक्तदान

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही सिन्धु विकास समिति आगामी 27 मार्च को रामनवमी के शुभ अवसर पर आयोजित हिंदू पर्व समन्वय समिति की शोभा यात्रा में एक अनोखी झांकी निकालेगी। इस विशेष झांकी का उद्देश्य रक्तदान के महत्व को समाज में जागरूक करना है, और इसके माध्यम से चलित रक्तदान (मोबाइल ब्लड डोनेशन) की व्यवस्था की जाएगी, जिससे लोग यात्रा के दौरान मौके पर ही रक्तदान कर सकेंगे। इस झांकी की तैयारी को लेकर 24 मार्च को ओम प्लाजा में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें



संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी, महामंत्री घनश्याम मंघरानी, और संत मोतीराम आश्रम के भाई प्रह्लाद जी की उपस्थिति रही। बैठक में इस अभियान को सफल बनाने के लिए चर्चा की गई और विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया, 'झांकी का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के महत्व को समझाना और लोगों को इस

पुण्य कार्य के लिए प्रेरित करना है। रक्तदान जीवनदान है, और इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।' महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने कहा, 'यह झांकी विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करेगी। साथ ही, चलित रक्तदान की व्यवस्था भी आकर्षण का केंद्र रहेगी, जहां दौरेदार लोग यात्रा के दौरान रक्तदान कर सकेंगे।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का विरोध, पत्थर लेकर डटी महिलाएं

सतना में मंगल भवन के लिए आवंटित जमीन खाली कराने पहुंचे थे अफसर, वापस लौटे

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। नगर परिषद कोठी में अतिक्रमण हटाने गई टीम को बुधवार को कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। वार्ड क्रमांक 01 में प्रस्तावित मंगल भवन निर्माण स्थल से अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासनिक अमले को आदिवासी परिवारों के विरोध के चलते बिना कार्रवाई किए लौटना पड़ा जानकारी के अनुसार, अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के खिलाफ आदिवासी महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया। महिलाओं ने हथों में पत्थर लेकर कार्रवाई का विरोध किया और जेसीबी मशीन को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान एक महिला जेसीबी के सामने खड़ी हो गईं, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई समझाइश के दौरान बड़



गया विरोध अधिकारियों ने समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन विरोध इतना बढ़ गया कि कार्रवाई जारी रखना संभव नहीं हो सका। हालात बिगड़ते देख नगर परिषद की टीम को बेग

लौटना पड़ा। नगर परिषद कोठी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) संजय सिंह ने बताया कि फिलहाल विरोध के चलते कार्रवाई स्थगित की गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही

पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ दोबारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ ने स्पष्ट किया कि नगर परिषद अपने प्रस्तावित विकास कार्यों को हर हाल में पूरा करेगी।

सीईओ जिला पंचायत ने किया भरत घाट का निरीक्षण

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। चैत्र नवरात्रि श्रीराम नवमी के अवसर पर गत वर्षों की भांति 27 मार्च को चित्रकूट का गौव दिवस मनाया जायेगा। इस मौके पर सम्पूर्ण चित्रकूट में 21 लाख दीपों को प्रज्वलित किया जायेगा तथा मां मंदाकिनि के भरत घाट पर श्रीराम प्रकटयत्न भी आयोजित होगा। चित्रकूट के गौव दिवस मनाते की तैयारियों के संबंध में सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह हैं।

श्रद्धालुओं पर जानलेवा हमला, 4 आरोपी गिरफ्तार भंडारा करने आए थे यूपी के लोग; युवक को चाकू मारा हमले का वीडियो सामने आया

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट थाना क्षेत्र अंतर्गत सेजवार स्थित भैरम बाबा मंदिर में सोमवार शाम भंडारा और कन्या भोज करने आए उत्तर प्रदेश (बांदा) के श्रद्धालुओं पर भीड़ में धक्का-मुक्की के विवाद में कुछ बदमाशों ने लाठी-डंडों और चाकू से जानलेवा हमला कर दिया इस घटना में 27 वर्षीय गंगाराम प्रजापति को पसली में चाकू लगा है और उनके पिता व भाई के साथ भी मारपीट की गई है। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास की एमआईआर दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर मंगलवार को 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से हथियार बरामद कर उन्हें कोर्ट में पेश



करने के बाद जेल भेज दिया गया है। मले में धक्का-मुक्की पर विवाद, पसली में चाकू चार्ज चित्रकूट थाना प्रभारी गिरजा शंकर बाजपेयी के अनुसार, बांदा (यूपी) निवासी गंगाराम प्रजापति (27) अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ सोमवार दोपहर

करिब 1 बजे ट्रेक्टर-ट्रॉली से भैरम बाबा मंदिर सेजवार पहुंचे थे। वहां भोजन-प्रसाद बनाकर कन्या भोज करने के बाद शाम 5 बजे वे मेला घूमने निकले। इसी दौरान भीड़ में धक्का-मुक्की होने पर कुछ युवकों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।



विरोध करने पर एक बदमाश ने गंगाराम की पसली में चाकू चार्ज दिया। बीच-बचाव करने आए पिता और भाई को भी पीटा गंगाराम पर हुए हमले के बाद उनके भाई शारदा प्रजापति और पिता होरीलाल प्रजापति ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो

हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी वहां से भाग गए। इसके बाद सभी श्रद्धालु अपनी ट्रेक्टर-ट्रॉली में बैठकर वापस चित्रकूट के लिए रवाना हुए। रास्ते में तालाब के पास पहुंचते ही

हमलावरों ने एक बार फिर ट्रेक्टर-ट्रॉली का रास्ता रोक लिया और श्रद्धालुओं की लाठी-डंडों से बुरी तरह पिटाई कर दी। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर श्रद्धालुओं को पीटते दिख रहे हैं। इस घटना से घबराए पीड़ित किसी तरह बचकर चित्रकूट पहुंचे और थाने में अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजते हुए उनके बयान के आधार पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने मंगलवार को सेजवार में दबिश देकर घटना के 24 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जनगणना 2027 की तैयारी हेतु फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण निरंतर जारी

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर सतना जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिले के फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 मार्च से 26 मार्च तक ई-दक्ष केन्द्र सतना में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं मुख्य जनगणना अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस. के नेतृत्व में आयोजित हो रहा है। उनके साथ अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी विकास कुमार सिंह तथा डिप्टी कलेक्टर एवं जनगणना ओआईसी जे.के. वर्मा का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। प्रशिक्षण में नगर निगम सतना, रामपुर बाघेलान, नागौद और उंचेहरा के सभी फील्ड ट्रेनर्स शामिल हो रहे हैं। जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. अनुराग वर्धन पांडेय और श्री उमेश चंद्र कुशवाहा द्वारा

प्रतिभागियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. के स्वयं उपस्थित होकर व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स से संवाद कर जनगणना के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन भी दिया। बताया गया कि इस प्रशिक्षण के बाद यही फील्ड ट्रेनर्स जिले में जनगणना कार्य से जुड़े पर्यवेक्षकों और प्रणालियों को प्रशिक्षित करेंगे, जो जमीनी स्तर पर सर्वे कार्य को अंजाम देंगे। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी विरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जानकारी दी कि शेष फील्ड ट्रेनर्स के लिए दूसरा प्रशिक्षण बैच 30 मार्च, 1 और 2 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।